दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 236
मुरादाबाद
(Thursday)
18 December 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी को इथियोपिया का सर्वोच्च सम्मान, मैन्युफैक्चरिंग भारत में घट रही, अमित शाह बोले- हर भारतीय के लिए गर्व का पल राहुल गांधी बोले- मजबूत इकोसिस्टम बनाने की जरूरत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके इथियोपिया दौरे के दौरान 'ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया' से सम्मानित किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे हर भारतीय के लिए गर्व का पल बताया। यह पीएम मोदी को किसी विदेशी देश द्वारा दिया गया 28वां सर्वोच्च सम्मान है। शाह ने इसे भारत-इथियोपिया दोस्ती में मील का पत्थर बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके इथियोपिया के दौरे के दौरान वहां का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया' से सम्मानित किया गया। इस बात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इसे हर भारतीय के लिए गर्व का पल बताया। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इथियोपिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया' मिलना भारत-इथियोपिया रिश्तों के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह सम्मान इथियोपिया के प्रधानमंत्री डॉ. अबी अहमद अली ने पीएम मोदी को दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए पोस्ट में केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि यह हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने बताया कि यह किसी विदेशी देश द्वारा पीएम मोदी को दिया गया 28वां सर्वोच्च सम्मान है, जो दुनिया में भारत की बढ़ती साख को दिखाता है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान भारत और इथियोपिया की दोस्ती में एक अहम मील का पत्थर रहेगा।पीएम मोदी पहले वैश्विक नेता जिन्हें यह सम्मान मिला बता दें कि पीएम मोदी इस सम्मान को पाने वाले दुनिया के पहले प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली का धन्यवाद करते हुए कहा कि ज20 शिखर सम्मेलन के दौरान उन्होंने प्रेम से इथियोपिया आने का निमंत्रण दिया था, जिसे वह ठुकरा नहीं सके।

पीएम मोदी बोले- यह सम्मान पूरे भारत का है

हालांकि इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सम्मान को लेकर कहा कि यह सम्मान सिर्फ उनका नहीं, बल्कि उन करोड़ों भारतीयों का है, जिनके विश्वास और प्रयासों से भारत-इथियोपिया के रिश्ते मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा कि इतनी प्राचीन और समृद्ध सभ्यता वाले देश से सम्मान मिलना उनके लिए बहुत गर्व की बात है। पीएम मोदी ने कहा कि अभी मुझे इथियोपिया का सर्वोच्च सम्मान दिया गया है। मैं यह सम्मान पूरे भारत की ओर से विनम्रता से स्वीकार करता हूं। यह उन सभी भारतीयों के लिए है जिन्होंने हमारे रिश्तों को मजबूत किया।दो दिवसीय दौरे पर इथियोपिया पहुंचे पीएम मोदी

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को दो दिन के दौरे पर इथियोपिया पहुंचे। वहां एयरपोर्ट पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस यात्रा को भारत और इथियोपिया के बीच राजनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक रिश्तों को और मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल नीलामी में रचा इतिहास: प्रशांत वीर के पिता से स्मृति ईरानी ने की बात, घर आकर मुलाकात का दिया भरोसा

आईपीएल की नीलामी में इतिहास रचने वाले अमेठी के प्रशांत वीर के पिता से अमेठी की पूर्व सांसद स्मृति ईरानी ने फोन पर बात की। इस दौरान उन्होंने प्रशांत की सफलता पर परिजनों को बधाई दी।भाजपा जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने अमेठी की पूर्व सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी से क्रिकेटर प्रशांत वीर के पिता रामेंद्र त्रिपाठी से फोन पर बातचीत कराई। इस दौरान स्मृति ईरानी ने प्रशांत वीर की उपलब्धि की सराहना करते हुए परिवार को बधाई दी।बातचीत के दौरान स्मृति ईरानी ने कहा कि जैसे ही वह अमेठी आएंगी प्रशांत वीर के घर पहुंचकर परिवार से मुलाकात करेंगी। उन्होंने कहा कि प्रशांत वीर ने अपनी मेहनत और लगन से जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है, जो अमेठी के लिए गर्व की बात है।भाजपा जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने कहा कि प्रशांत वीर हमारे घर के काफी समीप के हैं और उनका परिवार से पुराना पारिवारिक रिश्ता रहा है। उन्होंने बताया कि प्रशांत वीर को उन्होंने पहले यहां की लोकल क्रिकेट प्रतियोगिताओं में कई बार खेलते हुए देखा है तभी से उनकी प्रतिभा साफ नजर आती थी। जिलाध्यक्ष ने कहा कि अब बहुत जल्द प्रशांत वीर को आईपीएल के मैदान में खेलते हुए देखा जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि वह दिन भी दूर नहीं जब प्रशांत वीर देश के लिए खेलते हुए नजर आएंगे

इकोसिस्टम बनाने की जरूरत

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि निर्माण मजबूत अर्थव्यवस्थाओं की रीढ़ होती है, लेकिन दुर्भाग्य से भारत में यह लगातार कमजोर हो रही है। उन्होंने जोर दिया कि तेज आर्थिक विकास के लिए देश को सार्थक और मजबूत मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम तैयार करने होंगे। राहुल गांधी ने यह बात जर्मनी की यात्रा के दौरान कही। म्यूनिख में बीएमडब्ल्यू वेल्ट और बीएमडब्ल्यू प्लांट म्यूनिख के गाइडेड टूर के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव साझा किए।उन्होंने कहा कि बीएमडब्ल्यू की विश्वस्तरीय मैन्युफैक्चरिंग को करीब से देखना एक शानदार अनुभव था। इस दौरे की खास बात टीवीएस मोटर कंपनी की 450सीसी मोटरसाइकिल को देखना रही, जिसे बीएमडब्ल्यू के साथ साझेदारी में विकसित किया गया है। राहुल गांधी ने इसे गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि जर्मनी में भारतीय इंजीनियरिंग को प्रदर्शित होते देखना खुशी की बात है। भारत में मैन्युफैक्चरिंग घट रही है- राहुल गांधी उन्होंने कहा, %मजबूत अर्थव्यवस्थाओं की नींव मैन्युफैक्चरिंग पर टिकी होती है। लेकिन भारत में मैन्युफैक्चरिंग घट रही है। अगर हमें विकास की रफ्तार बढ़ानी है तो हमें ज्यादा उत्पादन करना होगा, मजबूत मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम बनाने होंगे और बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण नौकरियां पैदा करनी होंगी।%बता दें कि राहुल गांधी जमर्नी की यात्रा पर प्रोग्रेसिव अलायंस के निमंत्रण पर गए हैं। इस दौरान वे भारतीय प्रवासी समुदाय से संवाद करेंगे और जर्मन सरकार के मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे। राहुल गांधी 15 से 20 दिसंबर तक जर्मनी के दौरे पर हैं, इस दौरान वे वहां रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों से और जर्मनी सरकार के मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पणः सीएम ने किया निरीक्षण, डेढ़ लाख लोगों को बस में मिलेगा नाश्ता, स्थल पर लंच

पीएसी स्थापना दिवसः सीएम योगी बोले- यूपी के आत्मविश्वास का कारण कानून का राज, प्रदेश की छवि बदली

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को पीएसी के स्थापना दिवस के अवसर पर पीएसी जवानों को संबोधित किया और बीते साढ़े आठ साल में पीएसी को और बेहतर बनाने के लिए किए गए कार्यों का जिक्र किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 78 वर्ष से पीएसी बल का इतिहास अनुशासन, शौर्य, त्याग व समर्पण का रहा है। उन्होंने जवानों से अपील की कि साहस, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, व्यावसायिक दक्षता व कठिन प्रशिक्षण ही आपकी पहचान बननी चाहिए। सरकार आश्वस्त करती है कि आपके सम्मान व सरकार के स्तर पर मिलने वाली सुविधा-संसाधन में निरंतर वृद्धि होती रहेगी। यूपी के अंदर आत्मविश्वास का प्रमुख कारण कानून का राज है। कानून का राज सुरक्षा के बेहतर माहौल में ही सुशासन की गारंटी दे सकता है। सुशासन में ही निवेश सुरक्षित हो सकता है और सुरक्षित निवेश ही युवाओं की आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम बन सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपीपीएसी के स्थापना दिवस समारोह-2025 का शुभारंभ किया। सीएम ने पीएसी द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन व अवलोकन किया। सीएम ने 78वर्ष के गौरवशाली इतिहास के लिए पीएसी बल को बधाई दी। संवेदनशील परिस्थितियों में अग्रिम मोर्चे पर कार्य करता है पीएसी बल - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में पीएसी बल आंतरिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था, आपदा प्रबंधन, प्रदेश में महत्वपूर्ण त्योहारों, अतिविशिष्ट महानुभावों के आगमन, लोकतंत्र के महापर्व 'चुनाव' को शांतिपूर्ण ढंग से सुनिश्चित करने के साथ ही संवेदनशील परिस्थितियों में अग्रिम मोर्चे पर कार्य करता है। पीएसी के अधिकारी व कार्मिक विभिन्न आयामों के माध्यम से न सिर्फ यूपी, बल्कि देश के अंदर यूपी पीएसी बल, एसएसएफ, यातायात पुलिस, प्रतिसार निरीक्षक ड्यूटी, प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षक, एटीएस व एसटीएफ कमांडो के रूप में सेवाएं प्रदान कर कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। सीएम योगी ने पीएसी के अदम्य साहस को भी गिनाया- सीएम योगी ने पीएसी बल के अदम्य साहस की चर्चा की। बताया कि 30वीं वाहिनी पीएसी के जवानों ने 13 दिसंबर 2001 को संसद पर हुए आतंकी हमले का जवाब दिया और पांचों आतंकवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया था। जुलाई 2005 में श्रीराम जन्मभूमि परिसर अयोध्या में आतंकी हमले के दौरान सीआरपीएफ, पीएसी और यूपी पुलिस की संयुक्त टीम ने सभी आतंकियों को मार गिराया गया था। यूपी की बेहतर छवि को देश के सामने रखने मे मिली सफलता - सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार ने पीएसी की 46 कंपनियों को पुनर्जीवित करते हुए यूपी के अंदर बेहतर कानून व्यवस्था बनाए रखा और आंतरिक सुरक्षा के माध्यम से यूपी की बेहतर छवि को देश के सामने प्रस्तुत करने में सफलता हासिल की। संख्या, क्षमता, प्रशिक्षण, तकनीक के स्तर पर पीएसी की सशक्त बनाने का कार्य निरंतर जारी है। अत्याधुनिक हथियारों व दंगा नियंत्रण उपकरणों से सुसज्जित करते हुए पीएसी को एसएलआर, इंसास राइफल, मल्टीसेल लांचर, एंटी राइड गन, टियर गैस गन समेत अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरण भी प्रदान किए गए।हमारी सरकार ने पीएसी में 41,893 आरक्षियों व 698 प्लाटून कमांडर की भर्ती की। सीएम योगी ने कहा कि पीएसी कार्मिकों की व्यावसायिक दक्षता में सुधार के लिए पूर्व में प्रशिक्षित पाठ्यक्रम को अपडेट करते हुए एबीसी आदि ग्रेड सुनिश्चित कर उन्हें बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। हमारी सरकार ने पीएसी में 41,893 आरक्षियों व 698 प्लाटून कमांडर की भर्ती की। सीधी भर्ती के अंतर्गत प्लाटून कमांडर के पद पर 1648 तथा आरक्षी के पद पर 15131 अभ्यर्थियों की भर्ती प्रक्रिया वर्तमान में प्रचलित है। इसमें 135 प्लाटून कमांडर की भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया जा चुका है। शीघ्र ही यह भर्ती भी संपन्न होगी। सेवा के दौरान दिवंगत जवानों के 396 आश्रितों को आरक्षी व 58 आश्रितों को प्लाटून कमांडर के पद पर सेवायोजन प्रदान किया गया। आरक्षी पद हेतु 28 अभ्यर्थियों व प्लाटून कमांडर पर 7 अभ्यर्थियों के सेवायोजन की कार्रवाई वर्तमान में प्रचलित है। पीएसी में पदोन्नति के और अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से सशस्त्र पुलिस में 184 निरीक्षकों, 3772 उपनिरीक्षकों के पदों में वृद्धि की गई है। विभागीय प्रोन्नति के अंतर्गत 426 उप निरीक्षक, 4042 मुख्य आरक्षी तथा 13313 आरक्षियों को पदोन्नति दी गई। 352 मुख्य आरक्षी, 1015 आरक्षियों की पदोन्नति कार्रवाई वर्तमान में प्रचलित है। खेल के बजट को 70 लाख से बढ़ाकर किया गया 10 करोड़ रुपये

सीएम योगी ने कहा कि आपदा से निपटने के लिए यूपी में राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की छह कंपनियों में 18 टीमें प्रदेश को सेवाएं प्रदान कर रही हैं।

कर्नाटक में वीबी-जी राम जी और नेशनल हेराल्ड को लेकर कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

सरकार ने मनरेगा को हटाकर वीबी-जी राम जी नाम से एक योजना लाने का बिल संसद में पेश किया है। इसे लेकर लगातार विपक्ष विरोध कर रहा है। अब कर्नाटक कांग्रेस भी इसे लेकर विरोध करने उतरी है। कर्नाटक कांग्रेस नेताओं ने बुधवार को बेलगावी के सुवर्ण सौधा में गांधी प्रतिमा के पास केंद्र सरकार के खिलाफ नेशनल हेराल्ड मामले और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का नाम बदलकर वीबी-जी राम जी करने के फैसले के विरोध में प्रदर्शन किया। सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने इस प्रदर्शन में हिस्सा लिया। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का बयान- विरोध प्रदर्शन के दौरान, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि नेशनल हेराल्ड भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा हुआ था। उन्होंने कहा, नेशनल हेराल्ड देश का गौरव है, जिसे स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जवाहरलाल नेहरू ने स्थापित किया था, और इस मामले में केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई पर सवाल उठाया। विरोध प्रदर्शन में मनरेगा का नाम बदलने के केंद्र के फैसले का भी विरोध हुआ, जिसमें कांग्रेस नेताओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार मनरेगा को खत्म करने के महात्मा गांधी का अपमान बताया। साथ ही सामाजिक कल्याणकारी योजना को कमजोर करने का आरोप लगाया।

'भाजपा मनरेगा को पचा नहीं पाई'- मंत्री एम बी पाटिल

- कर्नाटक के मंत्री एम बी पाटिल ने कहा, महात्मा गांधी राष्ट्रपिता हैं। यह एक सफल कार्यक्रम था जिसने स्थानीय रोजगार प्रदान किया, जिसे मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नेतृत्व में शुरू किया गया था। भाजपा इसे पचा नहीं पाई और इसका नाम बदल दिया।

भाजपा ने कांग्रेस को गांधी विरोधी कहा- कांग्रेस के विरोध को देखते हुए, कर्नाटक विधान परिषद में विपक्ष के नेता चालवडी नारायणस्वामी ने कहा, हम गांधी के खिलाफ नहीं हैं। कांग्रेस गांधी के खिलाफ है क्योंकि गांधी ने कांग्रेस के लोगों से कहा था कि उन्हें स्वतंत्रता मिल गई है, इसलिए कांग्रेस संगठन को तुरंत भंग कर दें, क्योंकि यह कोई राजनीतिक दल नहीं है। वे ही गांधी के खिलाफ हैं। सरकार के नए बिल में क्या है? लोकसभा में कृषि मंत्री द्वारा पेश किए गए विधेयक में ग्रामीण परिवार के प्रत्येक वयस्क सदस्य को 125 दिनों के वेतन रोजगार की गारंटी दी गई है, जो मौजूदा 100 दिनों से अधिक है, जो अकुशल शारीरिक श्रम करने के इच्छुक हैं। बिल के सेक्शन 22 के अनुसार, केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के बीच फंड शेयरिंग पैटर्न 60=40 होगा, जबकि उत्तर-पूर्वी राज्यों, हिमालयी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू और कश्मीर) के लिए यह 90=10 होगा। बिल का सेक्शन 6 राज्य सरकारों को एक फाइनेंशियल ईयर में कुल 60 दिनों की अवधि पहले से नोटिफाई करने की अनुमति देता है, जिसमें बुवाई और कटाई के मुख्य कृषि मौसम शामिल होंगे, जब बिल के तहत कोई काम शुरू या पूरा नहीं किया जाएगा।

संपादकीय Editorial

These Maggi Markets

The unfortunate fate of turning the road into a trading intersection is that buying Maggi near Kangra's Baglamukhi Temple proved costly for two young men. A roadside stall on the Bharwain-Ranital road attracted young men from Punjab, but the next moment, a speeding truck crushed them. In a horrific scene, Himachal's highway tourism has become a slaughterhouse. "Roadsides now cause pain, your killers are headed this way."

At first glance, we might consider a truck driver a messenger of death, but we won't fault the roadside shops operating without parking, because such markets have sprung up across Himachal. While singing the praises of tourism, these markets invite mourning. It's as if all of Himachal's commerce has moved to the streets. Furthermore, the system, which encourages encroachment on roads, has transformed the entire state into a grazing ground for vehicles. Vehicles, construction materials, and shops are strewn across the roads. No city has a traffic plan or the capacity to stop large groups. Throughout the day, half of Himachal is seen on the roads, solving their livelihoods through them. On some roads, protesters disrupt the law and order of cities, while on others, small businesses find work on the roads, seeking to make a living. If this is highway tourism, why not develop tourism, trade, and convenience centers every twenty to twenty-five kilometers? Trade is clashing with trade in Himachal, while the changing landscape of tourism and transportation requires a different perspective on market presence.

Trade, either through transportation or through tourists, is breaking new ground on the roads, so this potential must be met with infrastructure tailored to the needs of highway tourism. In Himachal, all types of roads other than four-lane roads are, in a way, increasing the risk due to local passions. This local commercial obsession is increasing the risk to the entire state's status through traffic jams, chaotic traffic, uncontrolled vehicle speeds, and lack of patrolling. Ironically, the state's major intersections have not yet been developed, resulting in neither traffic direction nor safety measures. The public transport network continues to operate in the same old pattern, despite improvements in traffic speed, new passenger convenience options, and a growing presence of private vehicles in local transportation services. The increased traffic due to the expansion of online services and the proliferation of e-business remains unaddressed. Similarly, the concentration of tourist vehicles, sightseeing traffic plans, and the growing number of taxis have not yet considered how to improve the roads for better transportation.

In Himachal, freight transportation is primarily carried out by road, yet not a single transport city has been developed in the entire state. No city has a freight planning plan for when trucks should be allowed to pass on which road and where they should be parked. A strange transportation wall is emerging in cities because buses, taxis, trucks, and private Volvo buses are parked on every road, bypass, or open space without any facilities or permission, making traffic unsafe. Consequently, with immediate effect, every city must develop at least one community, commercial, sports, or parking ground in each of the four directions. In addition to developing bus stops in every village, a large ground must also be built so that traffic nuisances don't stand on the roadside.

A new sun will shine in education, the future will be written in the light of Indian knowledge.

Even after independence, the education system remained based on the British model, but the New Education Policy 2020 focuses on making Indian languages ??the primary language of instruction. This policy strives to base education on skills and understanding rather than rote learning, and strives to bring Indian knowledge into the mainstream. The impact of Macaulay's education policy on Indian education. The

importance of Indian languages ??in the new education policy. The introduction of a new 5+3+3+4 framework in the education system. When Thomas Babington Macaulay wrote his famous "Minute on Education" in 1835, he probably did not anticipate that its few lines would profoundly influence India's education structure, language, thinking, and mindset for centuries. But this is what happened. A small note shook India's vast and multilingual education tradition. Before British rule, education in India was inherently, locally, and culturally connected. Gurukuls, schools, the guru-shishya tradition, Vedic mathematics, astronomy, medicine, logic—all flourished in Indian languages. Children learned, and acquired thought, life-knowledge in their own language. Knowledge wasn't confined to books and manuscripts; it was a part of life and culture. The East India Company was initially uninterested in education, but gradually the British realized that a vast country like India could be governed not by force alone, but by transforming education and culture. This began the policy of adapting Indian society to the English language and Western thinking. Macaulay clearly wrote that Western literature and science were supreme, and Indian literary traditions were "inferior." He stated that the government's goal should be to create a class "Indian by blood and color, but English by thoughts and interests." The British knew that education imparted in local languages ??kept Indian society united. Therefore, English was declared modern and superior, and Indian languages ??were gradually removed from administration, the judiciary, and higher education. English became the sole gateway to higher education, and Indian languages ??were relegated to the background of being merely "home and family languages." This influence persisted even after independence. While the country gained independence, the education system we inherited was entirely based on the British model. Policymakers themselves had studied within this colonial framework. Many were products of English-style universities in England, Europe, or India. Therefore, while the direction of education reform changed after independence, the structure and ideology remained the same. This influence was so profound that even today, many families consider English medium education a symbol of a "better life." Major commissions were formed after independence, but the approach remained rooted in the European model. This trend continued with the Radhakrishnan Committee of 1948, the Kothari Commission of 1964-66, the National Education Policies of 1968 and 1986, and the National Knowledge Commission of 2005. While these reforms brought about some improvements in education, the structure remained the same: exam-centric, English-dominated, and a replica of Western academic structures. Many universities established after independence, including institutions like Jawaharlal Nehru University, were shaped by the British and European university models. Some Indian languages ??became subjects of study here, but not the languages ??of knowledge. Due to English-based education, Indian languages, especially Sanskrit, Hindi, and other Indian languages, gradually fell to the lowest levels of higher education. The entry of the private sector into education after 1991 further promoted English education. English medium became a symbol of prestige in private schools, while government schools became limited to Indian languages. This is the same mindset that was rooted in Macaulay's policy. The first wind of change—the New Education Policy 2020—is the first policy to assert that Indian languages ??should be the primary language of instruction, that education in the mother tongue should be promoted, that Indian knowledge—philosophy, art, mathematics, and literature—should enter the mainstream, and that education should be based on skills and understanding, not rote learning. This has led to a new framework of 5+3+3+4, which is in keeping with Indian childhood, the nature of learning, and language psychology. The idea of ??multidisciplinary universities in higher education is reminiscent of the tradition of Gurukul and Takshashila. Indian education is returning to its roots, and the Indian mind is preparing to emerge from the colonial shadow. This signals a national renaissance—where education will be Indian, language will be Indian, and the future will be written in the light of Indian knowledge. A framework for holistic development—the 5+3+3+4 framework replaces the traditional 10+2 system and divides school education into four stages: a 5-year foundation stage (3 years of preschool + grades 1-2), a 3-year elementary stage (grades 3-5), a 3-year middle stage (grades 6-8), and a 4-year secondary stage (grades 9-12). The goal is to provide a holistic and practical education, focusing on children's cognitive development, with structured education beginning as early as the age of three.**

Another terrorist attack targeting members of the Jewish community

The global community must recognize that terrorism cannot be countered by merely condemning terrorist acts. To combat this terrorism, the global community must demonstrate both solidarity and the necessary willpower. Terrorism cannot be countered by mere condemnation.

Solidarity is essential to combat terrorism. The targeting of the Jewish community is reprehensible. The manner in which terrorists targeted members of the Jewish community on a beach in the Australian city of Sydney, killing more than ten people, has once again brought to the fore the terrifying threat of jihadist terrorism. Now that the attackers have been identified, there is no doubt that they adhered to radical Islamic ideology, nor that they intended to target Jews, as they were attacked while they were gathered in large numbers on the beach to celebrate Hanukkah. While the Australian government has labeled this horrific attack a terrorist act, it cannot be ignored that it faces accusations of failing to adequately address the activities of extremist Islamic groups engaged in intimidation of Jews. This terrorist incident is being seen as a consequence of the prolonged conflict between Hamas and Israel in Gaza. This prolonged conflict has created a climate of anti-Semitism worldwide. This climate was also created by extremist Islamic groups, and this has led to attacks on Jews in the United States. Furthermore, there have been sporadic incidents of targeting Jews in other Western countries, but it would be an oversimplification to say that the conflict between Israel and Hamas in Gaza has given radical Islamic groups an opportunity to become more aggressive. It should be noted that groups with extremist Islamic ideologies have long carried out terrorist attacks in the West and in many other countries around the world, resulting in significant casualties. It is natural that the terrorist attack in Australia will be condemned globally and condolences will be expressed, but this alone is not enough. Given the growing threat of jihadist terrorism worldwide, the global community needs to confront this threat together. It is unfortunate that despite the continued spate of terrorist incidents, terrorism remains undefined globally. Worse, necessary action is being avoided against countries that support, aid, and protect terrorist organizations. Pakistan is foremost among these countries. The world community must understand that terrorism cannot be combated by merely condemning terrorist activities. To combat this terrorism, the world community must demonstrate both solidarity and the necessary willpower.

ठंड की तस्वीरें: कोहरे से बढ़ी ठिठुरन, जिंदगी थमी... ट्रेनें घंटों लेट, मुरादाबाद डीएम ने जारी किया अलर्ट

मुरादाबाद में सुबह से ही कोहरा छाया हुआ है। इससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गई है। हाईवे पर चालकों को लाइट जलाकर वाहन चलाने पड़ रहे हैं। कोहरे को देखते हुए डीएम ने अलर्ट जारी किया है। घने कोहरे ने कंपकंपा देने वाली व्यस्त हो गया। कोहरे इसका असर ट्रेनों की घंटे से लेकर 13 घंटे पहुंचीं। इससे यात्रियों करना पड़ा।कोहरे के महकमा समस्या का अधिकारियों के एक्स करने के बाद भी कोई ड्राइवरों को दी जाने भी नाकाम साबित हो 75 किमी प्रतिघंटा की कर दी गई है। एक्सप्रेस, पद्मावत नौचंदी, श्रमजीवी और आदि ट्रेनें भी देरी से है कि अन्य रेल मंडलों दृश्यता बेहद कम होने हैं। डीएम ने जारी

से बचाव करने के लिए आम लोगों को अलर्ट किया है। उन्होंने लोगों से कोयले की अंगीठी, मिट्टी का चूल्हा, हीटर आदि के प्रयोग में सावधानी बरतने की अपील की है। एडीएम वित्त एवं राजस्व ममता मालवीय ने बताया कि जिले की सभी तहसील स्तर से 73 स्थलों पर अलाव जलवाए जा रहे हैं। इसमें बिलारी के 34, सदर के 16, ठाकुरद्वारा के 11 और कांठ के 12 स्थल शामिल हैं।अस्पतालों की ओपीडी में बढ़े सांस के मरीज - ठंड से शहर के अस्पतालों और क्लीनिकों में डॉक्टरों की ओपीडी में सांस से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। चेस्ट फिजिशियन डॉ. एके वर्मा, डॉ. सीपी सिंह के मुताबिक ठंड, नमी और प्रदूषण के मेल से अस्थमा, ब्रॉन्काइटिस और सांस अन्य समस्याएं बढ़ रही हैं।इस सप्ताह बना रहेगा कोहरा, राहत नहीं मौसम विभाग का कहना है कि फिलहाल ठंड और कोहरे से राहत मिलने के आसार कम हैं। आने वाले दिनों में भी सुबह और रात के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना जताई जा रही है। कयास लगाए जा रहे हैं कि ठंड इसी तरह रही तो जिले में आठवीं तक के स्कूलों की छुट्टी घोषित की जा सकती है।हादसों को लेकर पुलिस संवेदनशील है। कोहरे में हादसे न हों, इसके लिए जगह जगह पुलिस कर्मी तैनात किए गए हैं और वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगवाए जा रहे हैं। वाहन चालकों को समझाया जा रहा है कि वह कोहरे में फॉग लाइट का इस्तेमाल करें। इस दौरान वाहनों की रफ्तार कम रखें। -सतपाल अंतिल, एसएसपी कोहरे में बिजली के पोल से टकराई बस- कांठ रोड पर शेरुआ चौराहे के पास मंगलवार सुबह पांच बजे कोहरे में रोडवेज बस बिजली के पोल से टकरा गई। हालांकि हादसे में कोई यात्री घायल नहीं हुआ। रोडवेज की बस नजीबाबाद ज रही थी। शेरुआ में बस अनियंत्रित होकर पोल बिजली से टकरा गई।यात्रियों ने डायल 112 पर कॉल की। पीआरवी और अगवानपुर पुलिस चौकी पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने बताया कि घने कोहरे की वजह बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े बिजली के पोल से टकरा गई थी। फिलहाल सभी यात्री सुरक्षित रहे और यातायात में कोई रुकावट नहीं हुई।

बुधवार को ठिठुरन बढ़ा दी। सर्दी से जनजीवन अस्त के बीच दृश्यता शून्य रही। रफ्तार पर पड़ा। ट्रेनें पांच तक की देरी से मुरादाबाद को काफी परेशानी का सामना सामने बेबस यात्री और रेल कोई हल नहीं निकाल पाए। हैंडल को टेग कर पोस्ट फायदा नहीं हुआ। ट्रेन वाली फॉग सेफ डिवाइस रही है।रेलवे ट्रैक पर 60 से अधिकतम गति सीमा लागू मंगलवार को अर्चना एक्सप्रेस, बेगमपुरा, शहीद, लखनऊ-चंडीगढ़ एक्सप्रेस चलीं। रेल प्रशासन का कहना में ब्लॉक और कोहरे में के कारण ट्रेनें लेट हो रही किया अलर्ट - डीएम ने ठंड

'DM सर हमारी छत से तार हटवा दो': चंदौसी की मासूम बच्चियों की गुहार, एक्शन में अफसर, घंटों में समाधान...

चंदौसी की दो बहनों की डीएम से गुहार का वीडियो वायरल होने के बाद बिजली विभाग के अफसर भी हरकत में आ गए। उन्होंने मौके पर पहुंचे किसान के घर सके ऊपर से जा रही बिजली के तार हटा दिए। इसके लिए दोनों धन्यवाद दिया है।चंदौसी में के मकान बन गए, लेकिन होकर गुजर रहे बिजली के हाल तब है जब यह लाइन लोगों को अपनी छत पर है। इस बीच दो मासूम के ऊपर से जा रहे बिजली वीडियो के माध्यम से डीएम वीडियो वायरल हुआ तो विभाग के अफसरों को मौके पर पहुंची बिजली तारों को काटकर हटा दिया। ने जिला प्रशासन व बिजली करते हुए आभार व्यक्त किया बिजली विभाग की टीम कालोनी गुलडेहरा रोड के रामबाबू राणा की दो नन्हीं महिमा राणा का वायरल बन गया। दोनों बहनों ने ये

होकर जा रही 15 साल से बंद पड़ी हाईटेंशन लाइन को हटवाने के लिए डीएम को संबोधित करते हुए वायरल की थी। इसका संज्ञान लेते हुए डीएम के आदेश पर बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई और छत पर लटक रहे बिजली के तारों को काटकर हटा दिया। एसडीओ चंदौसी अजय चौरसिया ने बताया कि विगत कई वर्षों से बंद पड़ी बहजोई की ओर जाने वाली बिजली लाइन अनुपयोगी थी। रामबाबू राणा की छत के ऊपर से जा रही बिजली लाइन को हटा दिया गया है।बता दें कि गुलडेहरा रोड से होकर बहजोई की ओर जाने वाली हाईटेंशन लाइन पिछले 15 वर्ष से बंद पड़ी है, लेकिन इसे हटाया नहीं गया। पंद्रह साल में यहां दर्जनों की संख्या में मकान बन गए और घनी आबादी हो गई। दूसरी मंजिल नहीं बनवा पा रहे थे- हाईटेंशन लाइन के तार गुलडेहरा रोड के कई मकानों से होकर जा रहे थे। इतना ही नहीं लोगों ने तारों के ऊपर ही कमरे भी बना लिए हैं। वहीं तीन साल से यहां मकान बना कर रह रहे किसान रामबाबू राणा छत से जा रहे तारों के कारण अपने मकान की दूसरी मंजिल नहीं बनवा पा रहे थे। इसको लेकर उनकी दोनों बेटियों विदुषी राणा और महिमा राणा ने डीएम को संबोधित एक वीडियो बना कर वायरल कर दिया। इसमें वह डीएम से लाइन हटवाने का आग्रह कर रही थीं।

बहनों ने डीएम को कॉलोनी बस गई, लोगों यहां लोगों के छतों से तार नहीं हटाए गए। यह बंद की जा चुकी है। जाने में दिक्कत हो रही बच्चियों ने अपनी छत के तार हटाने के लिए प्रार्थना की थी।जब प्रशासन ने बिजली कार्रवाई के लिए कहा। विभाग की टीम ने इन इसके बाद दोनों बेटियों विभाग का धन्यवाद है।डीएम के आदेश पर पहुंची - नगर के गणेश रहने वाले किसान बेटियों विदुषी राणा और वीडियो चर्चा का विषय वीडियो अपने मकान से

जिले में चिकित्साधिकारियों ने ओपीडी से बनाई दूरी

मुरादाबाद । शासन के आदेश के बावजूद चिकित्सा अधिकारियों द्वारा ओपीडी में मरीज देखने के निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा है। शासन का आदेश है कि सीएमओ हों या डिप्टी सीएमओ समेत अन्य चिकित्साधिकारी सप्ताह में कम से कम तीन दिन, दो-दो घंटे जिला अस्पताल या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की ओपीडी में मरीजों का परीक्षण करेंगे, लेकिन हकीकत इसके उलट है। एक वर्ष बीतने को है, पर अधिकांश चिकित्सा अधिकारियों ने अब तक विभाग की विभिन्न योजनाओं, बैठकों और प्रशासनिक और सीएचसी पर मरीजों का दबाव झेल रहे चिकित्सकों कतार में लगकर इंतजार करना पड़ता है, जबकि शासन का को बेहतर परामर्श और त्वरित इलाज मिल सके। गौरतलब स्पष्ट आदेश जारी किए थे। आदेश में कहा था कि सभी केंद्रों की ओपीडी में बैठेंगे और मरीजों का चेकअप करेंगे। फील्ड लेवल पर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार मरीजों और उनके तीमारदारों का कहना है कि अस्पतालों जटिल मामलों में मरीजों को सही मार्गदर्शन नहीं मिल

कुलदीप सिंह का कहना है कि प्रशासनिक कार्यों का दबाव अधिक होने के कारण जिला अस्पताल की ओपीडी में नियमित रूप से बैठने का मौका नहीं मिल पाता। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि निरीक्षण के दौरान जब वे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर जाते हैं, तो कभी-कभार मरीजों को देख लेते हैं। यदि शासन के आदेशों का सख्ती से पालन कराया जाए, तो सरकारी अस्पतालों में इलाज की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है और आम जनता को काफी राहत मिल सकती है।

ओपीडी में एक भी मरीज को नहीं देखा। चिकित्साधिकारी खुद को स्वास्थ्य कार्यों में व्यस्त बताकर मरीजों को देखने से बच रहे हैं। इससे जिला अस्पताल पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। मरीजों की संख्या अधिक होने के कारण उन्हें घंटों उद्देश्य था कि वरिष्ठ और अनुभवी चिकित्साधिकारियों की मौजूदगी से मरीजों है कि महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं रतन सिंह पाल ने इस संबंध में चिकित्साधिकारी अनिवार्य रूप से जिला अस्पताल अथवा सामुदायिक स्वास्थ्य इसका उद्देश्य न सिर्फ मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराना था, बल्कि भी करना था। हालांकि, जमीनी स्तर पर आदेश का असर दिखाई नहीं दे रहा है। में वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी केवल कागजों तक सीमित है। कई बार पाता, जिससे उन्हें निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ता है। सीएमओ डॉ.

संक्षिप्त समाचार

देर रात शिक्षिकाओं को व्हॉट्सएप कॉल, करता था अश्लील बातें, शिक्षक की करतूत आई सामने... निलंबित

मुरादाबाद में शिक्षिकाओं को देर रात फोन करने वाले शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है। उस पर लगातार परेशान करने का आरोप था। विधायक ने इसकी शिकायत डीएम से की थी। शिक्षिकाओं को देररात व्हॉट्सएप कॉल करने वाले सहायक अध्यापक को बीएसए ने निलंबित कर दिया। नगर विधायक रितेश गुप्ता की शिकायत के आधार पर हुई जांच के बाद कार्रवाई की गई है। नगर विधायक रितेश गुप्ता ने डीएम से शिकायत की थी कि कंपोजिट विद्यालय लोदीपुर राजपूत का सहायक अध्यापक राजीव कुमार सिंह शिक्षिकाओं से अश्लील व अशोभनीय भाषा का प्रयोग करता है।

साथ ही कुछ शिक्षिकाओं को देररात व्हॉट्सएप कॉल कर उन्हें मानसिक रूप से परेशान करता है। इस मामले में सीडीओ ने दो सदस्यीय जांच समिति बनाई। बीएसए विमलेश कुमार ने बताया कि समिति द्वारा की गई जांच के बाद राजीव कुमार सिंह पर आरोपों की पुष्टि हुई। जांच में विद्यालय का शैक्षिक माहौल दूषित करना, कार्य एवं व्यवहार शिक्षक पद की गरिमा के प्रतिकूल पाया जाना, पदीय दायित्वों का भली प्रकार निर्वहन न करना और अध्यापक-कर्मचारी आचरण नियमावली का उल्लंघन करने के आरोपों की भी पुष्टि हुई है। इसलिए राजीव कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। 15 दिन में सौंपनी है बीएसए को रिपोर्ट- निलंबन अवधि में सहायक अध्यापक राजीव कुमार सिंह को उच्च प्राथमिक विद्यालय अल्लीपुर जुडैरा विकास क्षेत्र बिलारी से संबद्ध किया गया है। साथ ही आगे की खंड शिक्षा अधिकारी कुंदरकी त्रिलोकीनाथ गंगवार को आगे की जांच सौंपी गई है। खंड शिक्षा अधिकारी को मामले में जांच की कार्रवाई पूर्ण कर 15 दिन में बीएसए कार्यालय में अपनी रिपोर्ट जमा करनी है।

माघ मेले के लिए ट्रेनों में लगेंगे अतिरिक्त कोच... श्रद्धालुओं को मिलेगी राहत

मुरादाबाद । प्रयागराज में लगने वाले माघ मेला को देखते हुए रेल प्रशासन यात्रियों की सुविधा के लिए अस्थायी रूप से कई ट्रेनों में अतिरिक्त सामान्य कोच जनवरी से लगाएगा। उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने बताया कि यात्रियों की सहूलियत के लिए माघ मेले को देखते हुए अस्थायी रूप से से गाड़ी संख्या 14308 बरेली-प्रयागराज संगम एक्सप्रेस में एक जनवरी से 15 फरवरी तक अतिरिक्त 3 सामान्य कोच लगाया जाएगा।इसके अलावा गाड़ी संख्या 14307 प्रयागराज संगम - बरेली एक्सप्रेस में 4 जनवरी से 18 फरवरी 2026 तक अतिरिक्त तीन सामान्य कोच (जनरल कोच) लगाए जाएंगे।

पश्चिमी यूपी में HC बेंच की मांग को भरी हुंकार, सड़क पर उतरे अधिवक्ता

मुरादाबाद । पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना के मुद्दे को अधिवक्ता जन आंदोलन बनाने की तैयारी कर रहे हैं। अधिवक्ता बुधवार आज हाईकोर्ट बेंच स्थापना को लेकर प्रदर्शन किया गया। इससे पहले मंगलवार को अधिवक्ताओं ने बैठक कर रणनीति तैयार की। अधिवक्ताओं ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया। अधिवक्ताओं ने किसानों, व्यापारियों और सभी वर्गों से समर्थन मांगा है और उनसे आंदोलन में कंधे से कंधा मिलाकर साथ चलने की अपील की है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना को लेकर मंगलवार को बार सभागार में बैठक हुई। जिसमें बार अध्यक्ष सतनाम सिंह मट्टू ने कहा कि प्रयागराज हाईकोर्ट पश्चिमी उप्र से 700 से 800 किमी की दूरी पर है। वाद कारियों को बहुत परेशानी होती है। इसलिए सभी मांग है कि पश्चिमी उप्र हाईकोर्ट बैंच स्थापना केंद्रीय संघर्ष समिति मेरठ के आह्वान पर हाई कोर्ट बेंच बनाने के लिए सभी अधिवक्ताओं द्वारा न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे। व्यापार मंडल से सहयोग लेकर बाजार बंदी करने, अन्य संगठनों द्वारा हाईकोर्ट बैच के समर्थन में प्रधान मंत्री भारत सरकार को बुधवार को प्रदर्शन करने के बाद प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपा जाएगा। पश्चिम उत्तर प्रदेश 20 से 25 जिलों में अधिवक्ता आंदोलन करेंगे। इस मौके पर, फारुक अहमद, राहुल गुप्ता, रोहित आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

बरेली के मूल निवासी सरकारी कर्मियो के यहाँ संयंत्र स्थापना हेतु दिये निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । मुख्य विकास अधिकारी देवयानी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद का लक्ष्य एक लाख निजी आवासो पर सोलर रूफ टॉप संयंत्र लगाने का है जिसके सापेक्ष अब तक तेरह हजार से अधिक घरों पर संयंत्र स्थापित कराए जा चुके हैं एवं 11000 से अधिक लोगों को अनुदान की धनराशि उनके खाते में अंतरित की जा चुकी है

बैठक में बताया कि संयंत्र स्थापना से जहां 70 से 80% तक विद्युत बिल में कमी आ रही है वहीं ग्रीन एनर्जी के उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान हो रहा है।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि इस योजना का व्यापक प्रचार प्रसार करें तथा जो सरकारी सेवक जनपद बरेली के मूल निवासी हैं इसकी सूचना दो दिन के अंदर निर्धारित प्रारूप पर उपलब्ध कराएं तथा उन्हें संयंत्र स्थापना हेतु प्रेरित करते हुए अविलंब रूफटॉप संयंत्र स्थापित कराये।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सोलर रूफटॉप की स्थापना के सभी बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए संयंत्र स्थापना हेतु बैंक लोन कि उपलब्धता से भी अवगत कराया गया।

बैठक में परियोजना अधिकारी यूपी नेडा, समस्त उप जिलाधिकारी, जिला स्तरीय अधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका एवं नगर पंचायत तथा तकनीकी प्रशिक्षण के प्रधानाचार्य सहित सम्मिलित हुए द्य

नगर आयुक्त का एक्शन : शहर की सफाई में लापरवाही करने वाले बर्दाश्त नहीं सफाई नायक ऑन स्पॉट सस्पेंड , निर्माण कार्यों में मिली खामियां

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली= शहर की सफाई व्यवस्था और विकास कार्यों की जमीनी हकीकत परखने के लिए मंगलवार सुबह नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य अचानक सड़कों पर उतर आए। मुंशीनगर वार्ड-10 में सफाई व्यवस्था की बदहाली देखकर नगर आयुक्त का पारा चढ़ गया, जहां उन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए सफाई नायक संतोष कुमार गुप्ता को निलंबित (Suspend) कर दिया। नगर आयुक्त की इस औचक कार्रवाई से पूरे नगर निगम महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। मुंशीनगर में गंदगी देख नगर आयुक्त गुस्से में भड़क गए वार्ड संख्या 10 (मुंशीनगर) के निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त को चारों तरफ अव्यवस्था देखने को मिली। नालियां चोक थीं और सड़कों पर कूड़े के ढेर लगे थे। नियमित सफाई न होने की शिकायत पर जब सफाई नायक कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके, तो नगर आयुक्त ने मौके पर ही निलंबन के आदेश जारी कर दिए। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि शहर की सफाई में कोताही बरतने वाले कर्मियों की जगह विभाग में नहीं है। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर उठे सवाल, ठेकेदारों को लगाई फटकार मुंशीनगर के बाद नगर आयुक्त ने परसाखेड़ा, कर्मचारी नगर, कुर्मांचल नगर और सीएम ग्रिड साइट का दौरा किया। यहां 15वें वित्त आयोग के तहत बन रही सड़कों और नालियों के काम में भारी लापरवाही मिली लेवलिंग की समस्या पर कहा कि नालियों का अलाइनमेंट सही न होने पर उन्होंने नाराजगी जताई और निर्देश दिया कि पानी का बहाव सुनिश्चित करने के लिए सही लेवलिंग की जाए।

कार्यदायी संस्थाओं को फटकार लगाते हुए उन्होंने साफ कहा कि अगर गुणवत्ता में सुधार नहीं हुआ, तो भुगतान रोक दिया जाएगा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

जिला व्यापार भाइयों की बैठक हुई संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे की अध्यक्षता में जिला व्यापार बंधु की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार सम्पन्न हुई बैठक में एक-एक कर व्यापारियों की समस्या सुनी गयी । व्यापारियों द्वारा बताया गया कि महादेव पुल के नीचे कोतवाली से कुतुबखाना तक अतिक्रमण अभी तक नही हट पाया है जिस पर अपर जिलाधिकारी नगर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए इसे शीघ्र हटवाने के निर्देश दिये। व्यापारियों ने बताया कि अधिकतर यह देखने में आता है कि सड़कों पर ई रिक्शा द्वारा अधिक मात्रा में खड़े होने से जाम लग जाता है जिससे कि आवागमन में समस्या बनी रहती है जिस पर अपर जिलाधिकारी ने पुलिस अधिक्षक यातायात को इसे शीघ्र हटवाने के निर्देश दिये। बैठक में व्यापारियों द्वारा बताया गया कि जनपद की अधिकांश सड़कों पर गडढे हो गये है जिस पर अपर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग को इसमें सुधार करने के निर्देश दिये। बैठक में अपर नगर आयुक्त शशि भूषण राय व संबंधित अधिकारियो सहित व्यापार मंडल के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बाल विवाह की रोकथाम के लिए ग्राम पंचायत कोंडरी में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

बाल विवाह मुक्त भारत जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत वन स्टॉप सेंटर की टीम द्वारा ग्राम पंचायत कोंडरी में आम जन को जागरूक किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम के दौरान वन स्टॉप सेंटर की मैनेजर श्रीमती गुंजन तिवारी द्वारा बाल विवाह की सामाजिक व कानूनी जटिलताओं पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई साथ ही बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए भी प्रेरित किया गया। मनोसामाजिक परामर्शदाता तनीषा दिवाकर एवं चाइल्ड हेल्पलाइन कोऑर्डिनेटर तबस्सुम ने बताया कि विवाह के लिए कानूनी रूप से लड़के की उम्र 21 वर्ष और लड़की की उम्र 18 वर्ष होनी चाहिए। बाल विवाह न केवल बच्चों के भविष्य को प्रभावित करता है बल्कि यह कानूनी रूप से दंडनीय अपराध भी है। उन्होंने ग्राम वासियों से कहा कि बाल विवाह के मामलों की सूचना तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर करें। उन्होंने बताया कि समय से पूर्व विवाह बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ-साथ सामाजिक एवं व्यक्तित्व के विकास में भी अवरोध उत्पन्न करता है। किसान सम्मान दिवस के रुप में मनाया जाएगा स्व. चौधरी चरण सिंह का जन्मदिवस। जिलाधिकरी श्री अनुज सिंह ने बताया कि स्व0 चौधरी चरण सिंह (मा0 भूतपूर्व प्रधानमंत्री जी) के जन्मदिवस दिनांक 23 दिसम्बर को किसान सम्मान दिवस के रुप में मनाया जायेगा। यह किसान सम्मान दिवस जिला स्तर पर जिगर मंच पंचायत भवन परिसर कंपनीबाग में प्रात: 10:00 बजे से आयोजित किया जायेगा तथा विकास खण्ड स्तर पर विकास खण्ड सभागार में किसान सम्मान दिवस का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि किसान सम्मान दिवस के उपलक्ष्य में किसान गोष्ठी/मेला एवं कृषि प्रदर्शनी आयोजित करने के साथ ही अधिकतम उत्पादन प्राप्त करने वाले प्रगतिशील किसानों एवं प्राकृतिक/जैविक खेती करने वाले किसानों को सम्मानित किया जायेगा। मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी की अध्यक्षता में विकास भवन के बापू सभागार में जिला स्तरीय अनुश्रवण मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। मा. मुख्यमंत्री जी की प्राथमिकताओं में से एक निराश्रित गौवंश संरक्षण योजना के अन्तर्गत जनपद में किए जा रहे कार्यों के अनुश्रवण में आ रही कठिनाईयों के निदान एवं सुधार के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। जनपद मुरादाबाद में कुल 35 गो-आश्रय स्थल संचालित है इन गो-आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंश के लिए बेहतर व्यवस्था है। संरक्षित गोवंश को भूसा, हरा चारा, दाना, नमक, गुड़, मिनरल मिक्सचर दिया जा रहा है। गोशाला में साफ सफाई भी उचित प्रकार किया जा रहा है। चूना मिला स्वच्छ ताजा पेयजल उपलब्ध है। बीमार गोवंशों हेतु आइसोलेशन वार्ड बना है। ठंड से बचाव हेतु केटल शेड के चारों तरफ पर्दे एवं हाईलोजन हीटिंग लाईट लगायी गयी है। गोशालाओं से लिंक चरागाह भूमि पर हरा चारा बोया गया है। समस्त गो-आश्रय स्थलों में ठण्ड से बचाव हेतु पराली एवं तिरपाल/अलाव एवं हीटिंग लाईट की व्यवस्था की गयी है। समस्त गौ आश्रय स्थलों के भरण-पोषण धनराशि भुगतान हेतु माह नवम्बर, 2025 तक की फण्ड रिक्वेस्ट मुख्यालय लखनऊ प्रेषित की जा चुकी है। समस्त गौ आश्रय स्थलों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की कार्यवाही प्रचालित है तथा फाजलपुर एवं भटावली गौशालाओं में सीसीटीवी कैमरे लगाये जा चुके है

प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक जर्नलिस्ट एसोसिएशन का 27 वा अधिवेशन व जर्नलिस्ट सम्मान समारोह

4 जनवरी को लखनऊ में मुख्य अतिथि तौर पर राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री होंगे शामिल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। लखनऊ-प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक जर्नलिस्ट एसोसिएशन का 27 वा अधिवेशन एवं जर्नलिस्ट सम्मान समारोह 4 जनवरी 2026 को 10:00 बजे से सभागार एसकेडी स्कूल लखनऊ में होगा

अधिवेशन को सफल बनाने के लिए उत्तर प्रदेश इकाई के प्रदेश कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी जो मंडल सह प्रभारी हैं तथा जिला अध्यक्षों से अपील की गई है कि वह अपने जनपद से अधिक से अधिक पत्रकारों को आयोजन में लाने के लिए जनपदों में बैठक बुलाकर अधिवेशन को सफल बनाने का काम प्रारंभ कर दें

प्रदेशअध्यक्ष त्रिपाठी ने कहा कि इस बार आयोजन में माननीय राज्यपाल जी एवं माननीय मुख्यमंत्री जी आमंत्रित किया गया है इसलिए अधिवेशन में शामिल होने के लिए 3 जनवरी की रात को लखनऊ आने वाले पत्रकारों को ठहरने की व्यवस्था आर्य समाज संस्थान नरही लखनऊ में की गई है क्योंकि सभी पत्रकारों का रजिस्ट्रेशन आयोजन स्थल पर प्रात: 9:00 बजे से प्रारंभ कर दिया जाएगा और 10:00 बजे तक जो पत्रकार रजिस्ट्रेशन करा लेंगे उन्हें प्रवेश कार्ड के माध्यम से आयोजन में प्रवेश दिया जाएगा

प्रदेश अध्यक्ष त्रिपाठी ने बताया कि सम्मानित होने वाले पदाधिकारी की सूची 20 दिसंबर को माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के साथ नाम तय करने के बाद घोषित की जाएगी

जिनकी सूचना उनको उनके व्हाट्सएप नंबर पर भेजी जाएगी अधिवेशन को सफल बनाने के लिए सभी को एकजुट होकर आयोजन को सफल बनाने के लिए आदेशित किया गया है यह जानकारी कार्यालय सचिव बीआर सिंह ने सभी पदाधिकारी को दी ।

अल्प मानदेय से परिवार का भरण पोषण मुश्किल- कौशल कुमार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ की गांधी उद्यान मे बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता संघ के जिलाध्यक्ष कपिल यादव ने की। जिसमे शिक्षामित्रों के स्थानांतरण व समायोजन किए जाने के संबंध मे विचार विमर्श किया गया।

इसके साथ ही प्रदेश मंत्री कौशल कुमार सिंह को प्रदेश संगठन मंत्री बनने पर जिला कार्यकारिणी की तरफ से फूलमाला पहनकर स्वागत किया गया। बैठक मे नवनियुक्त प्रदेश संगठन मंत्री कौशल कुमार सिंह ने कहा कि अल्प मानदेय से शिक्षामित्र अपने परिवार का भरण पोषण, पढ़ाई लिखाई और दवाई मे पस्त है। संरक्षक विनीत चौबे ने कहा कि शिक्षामित्र बेसिक शिक्षा मे रीढ़ की तरह है। जिनका महत्वपूर्ण योगदान है। इससे निपुण लक्ष्य, नामांकन और निवार्चन जैसे महत्वपूर्ण कार्य सरलता से सफलता पूर्वक संचालित हो रहे है। प्रवक्ता धर्मवीर मौर्य ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया गया है कि शीघ्र निर्णय लेकर लाखों परिवारों को राहत प्रदान करें। शिक्षामित्र रोज समाचार पत्रों व सोशल मीडिया पर मानदेय वृद्धि की खबर की प्रतीक्षा कर रहे है। जिलाध्यक्ष कपिल यादव ने कहा कि आठ दिसंबर की बैठक के बाद विभाग से शिक्षामित्रों के स्थानांतरण का आदेश जारी हुआ है। साथ ही जनपद बरेली मे 15 दिसंबर को आदेश जारी कर दिया गया। इसका हम हृदय से स्वागत करते है। महामंत्री कुमुद केशव पांडे ने कहा स्थानांतरण प्रक्रिया से उन साथियों को थोड़ा राहत मिलेगा जो काफी दूर तैनात है। सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा शिक्षामित्र के मानदेय वृद्धि है। बैठक मे कपिल यादव, कुमुद केशव पांडे, सर्वेश पटेल, उत्तम कुमार, अर्जुन सिंह, कृष्णा कुमारी, अलका शर्मा, संजीव गंगवार, सतीश गंगवार, राकेश यादव, दिनेश कुमार गंगवार, जसवीर सिंह, संजीव कुमार, उवैस रजा, भगवान सिंह यादव, संतोष कुमार, शिशुपाल सिंह, नरेश चंद्र गंगवार, आसिम हुसैन, गंगाधर, युसूफ खान आदि शिक्षामित्र मौजूद रहे।।

शीतलहर का प्रकोप, स्कूलों में बच्चों की हुई छुट्टी

डीएम के आदेश पर बीएसए डॉ विनीता ने की बुधवार से तीन दिन की छुट्टी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले में शीतलहर और घने कोहरे ने जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। हाड़ कंपा देने वाली सर्दी और दिनभर छाए कोहरे के बीच प्रशासन ने स्कूली बच्चों को बड़ी राहत दी है। कक्षा एक से आठवीं तक संचालित सभी स्कूलों में 20 दिसंबर तक अवकाश घोषित कर दिया है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह के निर्देश पर बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. विनीता ने बुधवार को आदेश जारी करते हुए साफ कहा है कि अत्यधिक ठंड और कोहरे के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। आदेश के मुताबिक जिले में संचालित कक्षा आठ तक के सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और निजी विद्यालय बंद रहेंगे। चेतावनी दी गई है कि यदि कोई स्कूल खुला पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हालांकि आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जिन विद्यालयों में पहले से परीक्षाएं निर्धारित हैं, वे परीक्षाएं पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कराई जा सकती हैं।

कोहरे ने थामा शहर, सड़कों पर रेंगते दिखे वाहन बरेली समेत पूरा जिला पिछले दो दिनों से घने कोहरे की चपेट में है। बुधवार को भी दिनभर सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए। ठंडी हवाओं ने गलन और ठिठुरन को और बढ़ा दिया। सुबह के समय दृश्यता बेहद कम रही, जिससे सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आए और दुर्घटना की आशंका बनी रही। मंगलवार का दिन बीते दस वर्षों में सबसे ठंडा दिन रिकॉर्ड किया गया। दिन का अधिकतम तापमान गिरकर मात्र 16.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जिसने लोगों को कंपकंपा दिया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

साध्वी भूख हड़ताल : काली मंदिर की जमीन पर कब्जे का आरोप, रास्ता रोके जाने से उबाल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना प्रेमनगर क्षेत्र की सुरखा छावनी में स्थित प्राचीन काली मंदिर एक बार फिर विवादों में आ गया है। मंदिर की भूमि पर अवैध कब्जे और श्रद्धालुओं के आने-जाने का रास्ता बंद किए जाने को लेकर हालात तनावपूर्ण हो गए हैं।

मंदिर की सर्वराकार साध्वी ममता दास (चेली ब्रजनंदन दास) ने पड़ोसी अनिल अग्रवाल पर गंभीर आरोप लगाते हुए जिला अधिकारी गेट के सामने भूख हड़ताल शुरू कर दी है।

साध्वी का आरोप है कि सोमवार सुबह करीब 7 से 8 बजे के बीच मंदिर तक आने वाली गाड़ियों को जबरन रोका गया। विरोध करने पर कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया और धमकी दी गई कि मंदिर में कोई भी वाहन नहीं आने दिया जाएगा। साध्वी ममता दास का कहना है कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपी ने तमंचा दिखाकर जान से मारने की धमकी दी।

साध्वी ने स्पष्ट किया कि मंदिर तक पहुंचने वाला रास्ता सार्वजनिक मार्ग है, किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं। इसके बावजूद दबंगई के बल पर रास्ता बंद किया जा रहा है ताकि मंदिर की जमीन पर कब्जा किया जा सके।

मामले से आहत साध्वी ममता दास अपने सहयोगी बाबा संतोष नाथ के साथ जिला अधिकारी कार्यालय के गेट पर भूख हड़ताल पर बैठ गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित व्यक्ति भू-माफिया प्रवृत्ति का है और लंबे समय से मंदिर की जमीन हड़पने की कोशिश कर रहा है।

साध्वी ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में उनके या उनके परिवार के साथ कोई अप्रिय घटना होती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी आरोपी की होगी।

खेल के आयोजन निश्चित ही लाभ कारी होते है- आरपी निरंजन

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) आज स्थानीय मथुरा प्रसाद महाविद्यालय के परिसर में डीआई फोर्टी क्रिकेट लीग सेशन टु खेलेगा कोंच बढ़ेगा कोंच टूर्नामेंट का चीफ गेस्ट एमएलसी प्रतिनिधि आरपी निरंजन ने शुभारंभ करते हुए कहा कि इस तरह के खेल के आयोजन क्षेत्र के लिये लाभकारी होते है उन्होंने इस क्रिकेट के आयोजक मंडल को बधाई दी है और कहा है कि इस टूर्नामेंट के फाइनल विजेता टीम को पचास हजार रुपए देंगे खेलो के प्रति बढ़ावा मिले इस तरह वह भी प्रयास करते है उन्होंने आयोजक मंडल को बधाई दी इस अवसर पर अंशुल कुशवाहा सचिन पाटकार राम द्विवेदी मृदुल दांतरे केशव बबेले सहित तमाम लोग मौजूद रहे

डीआई फोर्टी किक्रेट लीग मैच सेशन टु का एमएलसी प्रति निधि आरपी निरंजन ने फीता काटकर शुभारंभ किया

एमएलसी प्रतिनिधि आरपी निरंजन ने विजेता को पचास हजार रुपए देने की घोषणा की

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन) आज स्थानीय मथुरा प्रसाद महाविद्यालय कोंच के विशाल मैदान में डीआई फोर्टी क्रिकेट लीग सेशन तू क्रिकेट टूर्नामेंट का मुख्य अतिथि एमएलसी प्रतिनिधि आर पी निरंजन विशिष्ट अतिथि एसडीएम कोंच ज्योति सिंह विज्ञान विशरद सिरोठिया कालेज के प्रबंधक डॉक्टर केदारनाथ निरंजन सिमरिया मंत्री ओमशंकर अग्रवाल प्रिंसिपल डॉक्टर विजय विक्रम सिंह केशव बबेले कोतवाल अजीत सिंह सभासद शादाब अंसारी सभासद दंगल सिंह यादव सुभासद मनोज इकड़या समाजसेवी श्री राम दुबे अंडा कांग्रेस नगर अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी आदि के द्वारा इस टूर्नामनेट मैच का फीता काटकर शुभारंभ किया गया इससे के बाद मंचस्थ अतिथियों का सचिन पाटकार आयोजक अंशुल कुशवाहा टूर्नामेंट प्रभारी आदित्य द्विवेदी विनय कुशवाहा अंकित यज्ञिक मृदुल यज्ञिक, सुमित कौशिक, प्रशांत कुशवाहा हर्ष शुक्ला अनिकेत कुशवाहा आदिल गुलफाम आशीर्वाद, कुशाग्र आदित्य गुप्ता लक्ष्य यादव प्रवीण राठौर लक्ष्य यादव हरि प्रकाश मुख्य सलाहकार मोनू ऑटो पार्ट्स कोंच आदि ने माल्यार्पण कर स्वागत सम्मान किया गया और मैच स्टार्ट हुआ है लहर दबंग जो लास्ट ईयर सीजन वन की विजेता टीम रही लहर दबंग बनाम महाराज 11 के बीच रहा लहर दबंग ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का निर्णय लिया बैटिंग करने आई लहर दबंग ने 10 ओवर में 104 रन बना सके इसके बाद जब महाराज 11 बैटिंगकरने ए मुकाबला बड़ा ही रोमांचक मुकाबला एक रन से जीता लास्ट बॉल में एक बॉल में 8 रन चाहिए थे महाराजा बन के प्लेयर ने सिक्स मारा तब भी लेकिन लहर दबंग से जीत गई इस मैच के प्लेयर ऑफ द मैच जीशान पटेल रहे इस टूर्नामेंट में राम कुमार अग्रवाल एडवोकेट संतोष गिरवासिया सागर अग्निहोत्री रोहित कठेरिया हर्ष शुक्ला अनिकेत आदिल प्रशांत सुमित चैनू अग्रवाल सहित तमाम लोग मौजूद रहे कार्यक्रम का सफल संचालन मृदुल दांतरे ने किया

संक्षिप्त समाचार

घरेलू उड़ानों पर इंडिगो का 70 फीसदी कब्जा, इससे मिली ब्लैकमेल करने की ताकत, बोले राघव चड्ढा

आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने इंडिगो संकट को लेकर एयरलाइंस से लेकर केंद्र सरकार तक पर निशाना साधा।

सांसद चड्ढा ने कहा कि डीजीसीए और एयरलाइंस के पास दो साल का समय था, फिर भी इस पर अमल करने में देरी हुई।आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने बुधवार को इंडिगो संकट को लेकर नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) पर निशाना साधा। न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में राघव चड्ढा ने कहा कि मैंने करीब एक साल पहले ही संसद में विमानन क्षेत्र को लेकर बात की थी। उन्होंने कहा कि मैंने इस दौरान कई मुद्दे उठाए थे। AAP सांसद ने कहा, %हवाई अड्डों पर महंगा खाना, बढ़ती उड़ान दरें और सबसे जरूरी, जो आज के संदर्भ में बेहद प्रासंगिक है, वह था कि भारत का विमानन क्षेत्र एकाधिकार की स्थिति से जूझ रहा है।राघव चड्ढा ने कहा, %सभी उड़ानें एयर इंडिया या इंडिगो की ओर से चलाई जाती हैं। इंडिगो भारत के विमानन क्षेत्र के 70 फीसदी हिस्से को नियंत्रित करती है। इससे उन्हें इतनी ज्यादा सौदेबाजी की ताकत या सीधे शब्दों में कहें तो, ब्लैकमेल करने की ताकत मिलती है कि वह सरकार या डीजीसीए को घुटने टेकने पर मजबूर कर सकते हैं। उन्होंने कहा, फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियम, जिनके कारण भारतीय यात्रियों को इन सभी समस्याओं का सामना करना पड़ा, जनवरी 2024 में लागू किए गए थे। इसका मतलब है कि डीजीसीए और एयरलाइंस के पास इन्हें लागू करने के लिए करीब दो साल का समय था, फिर भी हम असफल रहे।%राघव चड्ढा ने कहा, डीजीसीए अधिक सक्रियता से काम कर सकता था। यह एक मुक्त बाजार है, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन इस क्षेत्र को इस तरह से खोला जाना चाहिए, जिससे अन्य कंपनियों को भी विमानन क्षेत्र में प्रवेश करने और भाग लेने के लिए प्रोत्साहन मिले। संसद में एआई का मुद्दा उठाने पर आप सांसद राघव चड्ढा ने कहा, इसके पीछे कोई राजनीतिक रणनीति नहीं है। एआई आने वाले युग को परिभाषित करेगा और जहां हम मेक इन इंडिया% की बात करते हैं, वहीं मेक एआई इन इंडिया की बात करना भी उतना ही जरूरी है। एआई की शक्ति से संपन्न देश अगले दशक की वैश्विक महाशक्ति होगा।

भारतीय किसान यूनियन ने कोंच एसडीएम को ज्ञापन दिया, हरी मटर खरीद पर किसानों को लूटा जा रहा है

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) आज एसडीएम ज्योति सिंह को ज्ञापन देते हुए भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला उपाध्यक्ष श्याम सुंदर निरंजन तहसील अध्यक्ष चतुरसिंह पटेल तहसील महासचिव डा पीड़ी निरंजन पचीपुरा कलां ब्लॉक अध्यक्ष सुभाष चंद्र पटेल सौरभ पटेल आदि ने अगवत कराया है कि कोंच मंडी में व्यापारियों द्वारा किसानों की हरी मटर खरीद पर किसानों को दिन दहाड़े लूटा जा रहा है जिसमें किसान परेशान है निवेदन है को हरी मटर की झल्ली अस्सी किलो के ऊपर दो किलो काटा जाता था लेकिन अब साठ किलो पर दो किलो काटा जा रहा है जिससे किसान परेशान है तथा किसानों के पैसे पर मुद्दत भी काटी जा रही है जो हरी मटर की डाक सुबह नो या दस बजे तक हो जाती थी जिसमें किसान अपना भाव कर तुलाई करवाता था लेकिन अब तीन बजे शाम को बोली लगाने से बाद में किसान कच्चे माल को कहां ले जायेगा इस लिए हरी मटर की बोली सुबह नो बजे से दस बजे तक होनी चाहिए अन्यथा की स्थिति में किसान आंदोलन पर आमादा होगा

राष्ट्रपति भवन में परम वीर दीर्घा का उद्घाटन, 21 परमवीर चक्र विजेताओं की लगाई गई तस्वीर

विजय दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में %परम वीर दीर्घा% का उद्घाटन किया। इस गैलरी में 21 परमवीर चक्र विजेताओं की तस्वीरें लगाई गई हैं। इसका उद्देश्य देश के वीर सपूतों के अदम्य साहस और बलिदान से मेहमानों को परिचित कराना है।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को विजय दिवस के मौके पर राष्ट्रपति भवन में %परम वीर दीर्घा% का उद्घाटन किया। इसके साथ ही इस गलियारे में अब देश के वीर सपूतों की तस्वीरें लगाई गई। इस गैलरी में लगाई गई सभी तस्वीरें 21 परम वीर चक्र विजेताओं की हैं। गैलरी का मकसद यहां आने वाले मेहमानों को देश के नायकों के बारे में जानकारी देना है, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अदम्य साहस का प्रदर्शन किया है।राष्ट्रपति भवन की जिस गैलरी में %परम वीर दीर्घा% बनाई गई है, वहां पहले ब्रिटिश एडीसी की तस्वीरें लगी हुई थी। इसको लेकर राष्ट्रपति भवन की ओर से कहा गया %भारतीय राष्ट्रीय नायकों के चित्र प्रदर्शित करने की यह पहल औपनिवेशिक मानसिकता को छोड़ने और भारत की संस्कृति, विरासत व परंपराओं को गर्व के साथ अपनाने की दिशा में सार्थक कदम है। इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि %राष्ट्रपति भवन की परम वीर दीर्घा में देश के अदम्य वीरों के ये चित्र हमारे राष्ट्र रक्षकों को भावभीनी श्रद्धांजलि हैं। जिन वीरों ने अपने सर्वोच्च बलिदान से मातृभूमि की रक्षा की, जिन्होंने भारत की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन दिया... उनके प्रति देश ने एक और रूप में अपनी कृतज्ञता अर्पित की है। देश के परमवीरों की इस दीर्घा को, दो परमवीर चक्र विजेताओं और अन्य विजेताओं के परिवारजनों की गरिमामयी उपस्थिति में राष्ट्र को अर्पित किया जाना और भी विशेष है।% भारत का सबसे बड़ा सैन्य सम्मान- परम वीर चक्र- बता दें कि परम वीर चक्र भारत का सबसे बड़ा सैन्य सम्मान है, जो युद्ध के दौरान वीरता, साहस और आत्म-बलिदान के असाधारण कार्यों के लिए दिया जाता है। राष्ट्रपति भवन की इस गैलरी में ब्रिटिश काल के सैनिकों के चित्र लगे थे। अब उनके स्थान पर, देश के परमवीर विजेताओं के चित्र लगाए गए हैं। इससे कुछ साल पहले भी सरकार ने अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में कई द्वीपों के नाम भी परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखे हैं।

ट्रेनिंग के दौरान दिव्यांग हुए सैन्य अधिकारियों के पुनर्वास का मामला, सरकार को मिली 6 सप्ताह की मोहलत

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को उन अधिकारी कैडेटों के पुनर्वास से जुड़ी सिफारिशें अंतिम रूप देने के लिए छह सप्ताह का समय दिया, जिन्हें सैन्य प्रशिक्षण के दौरान दिव्यांग होने के कारण बाहर कर दिया गया था। यह मामला सेना, नौसेना और वायुसेना से जुड़ा है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा कि तीनों सेनाओं ने इस मुद्दे पर सकारात्मक सिफारिशें दी हैं, जिन पर रक्षा मंत्रालय विचार कर रहा है। इसके बाद इन पर वित्त मंत्रालय की मंजूरी भी जरूरी होगी। इसी कारण अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 20 जनवरी तय की है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट ने खुद संज्ञान लेकर शुरू किया था। अदालत की मदद के लिए नियुक्त न्याय मित्र (एमिकस क्यूरी) वरिष्ठ वकील रेखा पल्ली ने मेडिकल सहायता, आर्थिक मदद, शिक्षा, पुनर्वास और बीमा से जुड़े सुझाव दिए थे। केंद्र सरकार पहले ही भरोसा दिला चुकी है कि प्रशिक्षण के दौरान दिव्यांग हुए कैडेटों को अब पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना के तहत इलाज की सुविधा मिलेगी। अगस्त 2025 से ऐसे सभी कैडेट इस योजना में शामिल कर लिए गए हैं और उनसे एकमुश्त शुल्क भी नहीं लिया जा रहा है।अदालत ने यह भी कहा कि मौजूदा एकमुश्त आर्थिक मदद और बीमा राशि महंगाई के हिसाब से कम है, इसलिए इसमें बढ़ोतरी पर विचार होना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 1985 से अब तक करीब 500 अधिकारी कैडेट इस स्थिति का सामना कर चुके हैं, जिनकी आर्थिक और चिकित्सा परेशानियां लगातार बढ़ रही हैं। आरोपी को बरी करने के लिए ठोस कारण जरूरी- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी आरोपी को बरी करने के फैसले को रद्द करना कोई सामान्य बात नहीं है। इसके लिए ठोस और मजबूत कारण होने चाहिए। जस्टिस के विनोद चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए यह टिप्पणी की। हाईकोर्ट ने हत्या के एक मामले में तीन आरोपियों की सजा को खारिज कर दिया था। पीठ ने कहा कि इस अदालत के कई फैसलों से यह एक तय सिद्धांत है कि आरोपी को बरी करने के फैसले को पलटने के लिए ठोस कारण होने चाहिए। कहा, एक बार जब कोर्ट आरोपी को बरी कर देता है, तो निर्दोष होने की धारणा और मजबूत हो जाती है। बिहार एसआईआर पर एनजीओ की याचिका पर आयोग से जवाब मांगने से किया इन्कार सुप्रीम कोर्ट ने बिहार एसआईआर से जुड़ी एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की याचिका पर चुनाव आयोग से जवाब मांगने से इन्कार कर दिया। एनजीओ ने आयोग को उस मीडिया रिपोर्ट पर जवाब देने का निर्देश देने की मांग की थी जिसमें आरोप था कि एसआईआर के दौरान लाखों पूर्व-भरे मतदाता नाम हटाने के नोटिस स्थानीय अधिकारियों के बजाय केंद्रीय स्तर पर जारी किए गए थे। सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत व जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि इससे एक गलत मिसाल कायम होगी। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स को चुनाव आयोग से जवाब मांगने से पहले तथ्यों को सामने रखते हुए हलफनामा दाखिल करने को कहा। इस मामले में आयोग का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने एनजीओ की ओर से अखबार की रिपोर्ट पर भरोसा करने पर आपत्ति जताई और उसमें निहित आरोपों का खंडन किया। उन्होंने कहा कि आयोग को मीडिया रिपोर्टों पर अचानक प्रतिक्रिया देने के लिए अदालत में नहीं बुलाया जा सकता, जबकि इस मुद्दे पर पहले ही महत्वपूर्ण सुनवाई हो चुकी है। पीठ ने कहा कि जब तक इस मुद्दे को औपचारिक रूप से हलफनामे के माध्यम से रिकॉर्ड में नहीं लाया जाता, तब तक वह मीडिया रिपोर्ट से प्रभावित नहीं हो सकती। द्विवेदी ने कहा कि यदि भूषण अब भी आरोप को आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो उन्हें हलफनामे के माध्यम से सबूत पेश करने चाहिए। उन्होंने दावा किया कि आरोप तथ्यात्मक रूप से गलत है क्योंकि सभी नोटिस जिला चुनाव अधिकारियों की ओर से जारी किए गए थे। सीजेआई ने भूषण से कहा कि स्थापित प्रक्रियाओं के अनुसार, दूसरे पक्ष से जवाब तभी मांगा जा सकता है जब कोई चीज औपचारिक रूप से अदालत के समक्ष रखी जाए। सीजेआई ने आगे कहा कि अदालतें केवल मीडिया रिपोर्टों के आधार पर जवाब दाखिल करने का निर्देश नहीं दे सकतीं, क्योंकि मीडिया रिपोर्टें स्वयं भी कभी-कभी स्रोतों पर निर्भर करती हैं और पूरी तरह या आंशिक रूप से सही हो सकती हैं।

देश के 6 हजार 117 रेलवे स्टेशन पर मिल रहा फ्री वाई फाई, जाने यात्री किस तरह से कर सकते है कनेक्ट

लोकसभा में प्रश्न के जवाब में रेल मंत्रालय ने बताया कि, यात्रियों को बेहतर सुविधा और सुरक्षित यात्रा अनुभव देने के लिए डिजिटल और सुरक्षा ढांचे दोनों को लगातार मजबूत किया जा रहा है। देश के 1,731 रेलवे स्टेशन और 11 हजार 953 कोच में लगे सीसीटीवी लगाए गए है।ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। भारतीय रेलवे ने डिजिटल सुविधाओं को बढ़ावा देने के तहत देशभर के 6 हजार 117 रेलवे स्टेशनों पर मुफ्त वाई-फाई सेवा उपलब्ध करा दी है। खास बात यह है कि इस सुविधा के लिए रेल मंत्रालय ने कोई अतिरिक्त बजट मंजूर नहीं किया, बल्कि मौजूदा संसाधनों के जरिए ही यह सेवा शुरू की गई हैलोकसभा में एक प्रश्न के जवाब में रेल मंत्रालय ने बताया कि, रेलवे यात्रियों को बेहतर सुविधा और सुरक्षित यात्रा अनुभव देने के लिए डिजिटल और सुरक्षा ढांचे दोनों को लगातार मजबूत किया जा रहा है। रेलवे स्टेशनों पर फ्री वाई-फाई सेवा मौजूदा संसाधनों और साझेदारी मॉडल के तहत शुरू की गई है। इसका मकसद यात्रियों को प्रतीक्षा के दौरान इंटरनेट सुविधा देना और डिजिटल इंडिया अभियान को मजबूती देना है। इस सुविधा से बड़ी संख्या में यात्री अब स्टेशन पर टिकट बुकिंग, यात्रा से जुड़ी जानकारी और अन्य ऑनलाइन सेवाओं का आसानी से लाभ उठा रहे हैं।मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि, रेलवे स्टेशनों पर वाई-फाई का उपयोग करने के लिए यात्रियों को मोबाइल नंबर के जरिए ओटीपी दर्ज करना होता है। इसके अलावा किसी भी तरह की निजी जानकारी, जैसे पहचान पत्र या ईमेल आईडी, नहीं मांगी जाती। इस व्यवस्था से यात्रियों की निजता और डेटा सुरक्षा सुनिश्चित होती है। यदि किसी स्टेशन पर वाई-फाई सेवा में तकनीकी समस्या आती है, तो रेलवे प्रशासन तुरंत उसे ठीक करने की कार्रवाई करता है।इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यात्रियों को बिना किसी रुकावट के इंटरनेट सेवा मिलती रहे। देश के 1,731 रेलवे स्टेशन और 11 हजार 953 कोच में लगे सीसीटीवी एक अन्य प्रश्न के जवाब में रेल मंत्रालय ने संसद में बताया, रेलवे यात्रियों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए स्टेशनों और कोच में सीसीटीवी नेटवर्क का तेजी से विस्तार किया जा रहा है।अब तक देशभर के 1,731 रेलवे स्टेशनों और 11,953 कोच में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं। ये कैमरे कैपिटल खर्च के तहत स्थापित किए गए हैं और यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

ई-रिक्शा चालकों का आतंक! हाईवे पर रोज़ का जाम कानून की धज्जिया उड़ाने में फुल एक्टिव,पुलिस की सख्ती भी बेअसर

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ एक तरफ़ थानाध्यक्ष कस्बे में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लगातार गश्त और कार्रवाई में एक्टिव नज़र आते हैं, वहीं दूसरी तरफ़ ई-रिक्शा चालक कानून की धज्जिया उड़ाने में फुल एक्टिव हैं। कांधला (शामली)।कांधला कस्बे में ई-रिक्शा चालकों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। सड़कों पर दिनभर जाम, झगड़े और हादसे अब आम बात हो गए हैं। मुख्य बाजार से लेकर हाईवे तक जहां देखो वहां ई-रिक्शा चालकों की मनमानी और लापरवाही लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बन चुकी है। एक तरफ़ कांधला थानाध्यक्ष सतीश कुमार कस्बे में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए लगातार गश्त और कार्रवाई में एक्टिव नज़र आते हैं, वहीं दूसरी तरफ़ ई-रिक्शा चालक कानून की धज्जिया उड़ाने में फुल एक्टिव हैं। ये चालक ट्रैफिक नियमों को मज़ाक बनाकर सड़कों पर ऐसे फर्राटा भरते हैं जैसे सारा रास्ता उनका निजी हो।कस्बे के बस स्टैंड, रेलवे रोड और हाईवे पर ई-रिक्शा चालकों का जमावड़ा हमेशा देखने को मिलता है। बसों और बड़े वाहनों के आगे अचानक रिक्शा रोक देना, बिना संकेत मोड़ लेना और सड़क के बीचोबीच सवारी उतारना इनकी आदत बन चुकी है। नतीजा, घंटों लंबा जाम, ट्रैफिक अव्यवस्था और कभी-कभी हादसे तक हो जाते हैं।स्थानीय दुकानदारों और आम राहगीरों का कहना है कि यह समस्या अब सिरदर्द बन चुकी है।कई बार तो छोटी-छोटी बातों पर यात्रियों और रिक्शा चालकों के बीच तू-तू मैं-मैं से लेकर हाथापाई तक की नौबत आ जाती है। पुलिस कई बार चेतावनी दे चुकी है, लेकिन चालकों पर इसका कोई असर नहीं पड़ रहा।आम जनता की मांग है कि अब पुलिस को सख्त कदम उठाने होंगे। बिना लाइसेंस, बिना पंजीकरण और ओवरलोड रिक्शा चलाने वालों पर कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू करने के लिए बस स्टैंड और मुख्य मार्गों पर पुलिस की स्थायी ड्यूटी लगाई जाए, ताकि रोज़-रोज़ के जाम और झगड़ों से लोगों को राहत मिल सके। अगर प्रशासन ने अब भी सख्त कार्रवाई नहीं की, तो आने वाले दिनों में कांधला की सड़कों पर हालात और भी बेकाबू हो जाएंगे।

जमुनहा ब्लॉक मुख्यालय के सामने सड़क बनी तालाब।

नाला सफाई न होने से जलभराव, स्कूली बच्चों को परेशानी।

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती जमुनहा विकास खंड मुख्यालय के ठीक सामने सड़क पर जलभराव की स्थिति बनी हुई है। बीरगंज कस्बे में नालों की सफाई न होने के कारण सड़क पर पानी बह रहा है, जिससे राहगीरों और खासकर स्कूली बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, बीरगंज में नालों की नियमित सफाई नहीं की जा रही है। इसके चलते गंदा पानी सड़कों पर जमा हो जाता है और कई जगहों पर तो यह छोटी नदी का रूप ले लेता है। यह समस्या विशेष रूप से जमुनहा ब्लॉक कार्यालय के सामने गंभीर है।

स्कूली बच्चों को हर दिन इसी जलभराव वाले रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है। उन्हें पानी में गिरकर कपड़े गंदे होने या चोट लगने का डर रहता है। कई बार बच्चे फिसलकर गिर भी जाते हैं, जिससे उन्हें विद्यालय पहुंचने में अतिरिक्त कठिनाई होती है। यह स्थिति ब्लॉक अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाती है।

सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के बावजूद, जमुनहा ब्लॉक में इस तरह की लापरवाही चिंता का विषय है। स्थानीय प्रशासन द्वारा इस समस्या पर ध्यान न देना समझ से परे है।

संक्षिप्त समाचार

अपनी बीवी और दो नाबालिक बच्चियों को मारकर करीब 9 फीट गहरे गड्ढे में दबा दिया

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ कांधला कस्बे से करीब 4किलोमीटर दूर गांव गढ़ी दौलत में इस आदमी ने बुर्का ना पहनने पर अपनी बचाव में आई दो बच्चियों को करीब 9 फीट दबा दिया। कि एक पति इतनी छोटी सी इतना क्रूर कैसे हो ऐसी मानसिकता बीवी और नाबालिग मार कर गहरे गड्ढे में सवाल ये है और पिता बात पर सकता है कैसे बन सकती है। इस्लाम में पर्दा है लेकिन किसी को इस तरह मारना हराम भी है और हराम काम को अंजाम देने वाले का इस्लाम से क्या ताल्लुक इस्लाम में अगर पति पत्नी की किसी सूरत नहीं बनती तो तलाक एक ऑप्शन है लेकिन हत्या किसी सूरत में भी नहीं हत्या को इस्लाम में हराम बताया गया है और इस तरह किसी को मारना जिसको मारा गया है वो शहीद है। गढ़ी दौलत में इस्लामिक बड़ा मदरसा है जिसमें सैकड़ों छात्र पढ़ते हैं जहां जिंदगी जीने का सलीका और इस्लाम की खूबसूरत तालीम दी जाती हैं। सनक से भरे इस व्यक्ति ने 9 दिसंबर की रात को अपनी पत्नी को चाय बनाने के लिए कहा जब पत्नी चाय बनाने रसोई में गई तो पीछे से आकर इसने उसपर गोली चला दी गोली की आवाज सुनकर उसकी 14 साल की बेटी की आंख खुली तो वो रसोई की तरफ दौड़ी अब पिता ने अपनी ही बेटी पर भी गोली

स्वयं के अपहरण की रची साजिश, पुलिस ने बरामद कर किया खुलासा

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में जनपद श्रावस्ती पुलिस द्वारा अपराध नियंत्रण के साथ साथ गुमशुदा एवं अपहृत व्यक्तियों की सकुशल बरामदगी हेतु सतत एवं प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुकेशचन्द्र उत्तम एवं क्षेत्राधिकारी भिनगा सतीश कुमार शर्मा के नेतृत्व तथा थानाध्यक्ष मल्हीपुर अंकुर वर्मा के कुशल पर्यवेक्षण में थाना मल्हीपुर पुलिस टीम द्वारा गुमशुदगी संख्या 38/2025 से संबंधित गुमशुदा व्यक्ति राजू पुत्र निसार निवासी मोहनलाल पुरवा थाना हरदत्तनगर गिरण्ट जनपद श्रावस्ती को 16 दिसंबर को बहराइच बस स्टैण्ड क्षेत्र से सकुशल बरामद किया पुलिस द्वारा जांच के दौरान पूछताछ से ज्ञात हुआ कि राजू पुत्र निसार अपने भाई मोहम्मद शरीफ पुत्र निसार के साथ
मल्हीपुर बाबागंज रोड स्थित नूरी चौराहा थाना नवाबगंज जनपद बहराइच में चाय-समोसे की दुकान का संचालन करता था। राजू द्वारा अपने भाई को यह बताया गया कि वह अपनी ससुराल प्रतापपुर जा रहा है वह अपनी मोटरसाइकिल से दुकान से निकला किंतु ससुराल नहीं पहुँचा। सायंकाल लगभग 05 बजे उसके भाई को सूचना प्राप्त हुई कि राजू की मोटरसाइकिल साइफन पुल, भगवानपुर भैंसाही जंगल के पास खड़ी है तथा उसका मोबाइल फोन बंद आ रहा है इस संबंध में थाना मल्हीपुर पर गुमशुदगी संख्या 38/2025 पंजीकृत कर गहन तलाश एवं प्रचार-प्रसार प्रारंभ किया गया। पुलिस टीम द्वारा सतत प्रयास, तकनीकी विश्लेषण एवं स्थानीय सूचनाओं के आधार पर गुमशुदा व्यक्ति को बरामद किया।

अंसार इंटर कॉलेज में छात्रों को यूनिफॉर्म वे पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / सिकंदर राजा / अंसार इंटर कॉलेज मुरादाबाद में पुरस्कार/यूनिफार्म वितरण समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया इस कार्यक्रम में मुरादाबाद ग्रामीण के विधायक जनाब हाजी नासिर कुरेशी साहब मुख्य अतिथि रहे। विद्यालय के छात्रों ने संस्कृत कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया। मुरादाबाद ग्रामीण के विधायक जनाब हाजी नासिर कुरेशी साहब ने अपने कर कमलों द्वारा मेधावी छात्रों को पुरस्कार वितरण एवं यूनिफॉर्म वितरण किया और उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में इसी तरह आगे भी प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य श्री मेराज अनवर एवं प्रबंधक श्री इसरार हुसैन साहब ने जनाब हाजी नासिर कुरेशी साहब का विद्यालय में स्वागत फूलो का बुके देकर और शाल पहनाकर किया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में मैनेजिंग कमेटी के सदर श्री मुजीबुर रहमान साहब श्री तंजील अब्बास साहब समस्त स्टाफ छात्र एवं गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। विद्यालय के इस कार्यक्रम में प्रधानाचार्य श्री मेराज अनवर के साथ श्री जावेद अनवर, श्री मनोहर पाल सिंह, श्री मोहम्मद आसिफ,श्री शाकिर खान, श्री नासिर परवेज़,श्री मुख्तार हुसैन, श्री मोहम्मद जिया उर रहमान,श्री मोहम्मद नदीम, श्री सुवालेह अहमद, श्रीमती नूरी परवीन, श्री मुहम्मद अली खान व श्री सिकंदर आजम ने सहयोग किया। कार्यक्रम के समापन पर जनाब हाजी नासिर कुरेशी साहब ने अपने संबोधन में विद्यालय के छात्रों को शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में अपना नाम अग्रसर करने के लिए प्रेरित किया और विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री मेराज अनवर का तहे दिल से शुक्रिया अदा किया।

डीएम ने बेसिक शिक्षा कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय ने शिक्षा विभाग की हकीकत जानने के लिए प्रात: 10.25 बजे जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय श्रावस्ती का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यालय की उपस्थिति पंजिका, अभिलेखों के रख-रखाव तथा कार्यालय परिसर की साफ-सफाई आदि का अवलोकन किया। इस दौरान कार्यालय में व्याप्त गंदगी पायी गई तथा सामान इधर-उधर रखा पाया गया जिस पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त की।

उपस्थिति पंजिका के निरीक्षण करने पर ज्ञात हुआ कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार गुप्ता सहित जिला समन्वयक क्रमश: गजेन्द्र तिवारी, प्रणव त्रिपाठी, नीलम कुमारी, कौशलेन्द्र शुक्ला, प्रतीश श्रीवास्तव, रमेश कुमार त्रिपाठी, वरिष्ठ सहायक विश्राम वर्मा व राकेश कुमार तिवारी, कनिष्ठ सहायक अनिरूद्ध कुमार शुक्ला एवं कम्प्यूटर आपरेटर रागिनी शर्मा अनुपस्थित पाये गये, जिस पर जिलाधिकारी ने समय से कार्यालय में उपस्थित न रहने वाले कर्मचारियों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए उनका एक दिन का वेतन एवं अग्रिम आदेशो तक वेतन बाधित व कारण बताओ नोटिस जारी करने हेतु निर्देशित किया। उन्होने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को कार्यालय समय का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यालय में रखे जाने वाले अभिलेखों, विद्यालयों से प्राप्त प्रगति रिपोर्ट, नामांकन, मिड-डे मील, (बेसिक) साक्षरता एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं से संबंधित फाइलों का अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप जिले में गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक शिक्षा सुनिश्चित करना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यालयों में पठन-पाठन की गुणवत्ता बढ़ाने, नामांकन व उपस्थिति सुधारने, ड्रॉपआउट कम करने तथा बच्चों के शैक्षिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए ठोस कार्यवाही सुनिश्चित करें और किसी भी प्रकार की शिकायत की स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जाए। निरीक्षण के दौरान कार्यालय के अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

स्कूलों की छुट्टी के समय मनचलों पर कसेगा शिकंजा, शिवपुरी पुलिस ने तैनात की चेकिंग स्कॉट

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा/शिवपुरी, ब्यूरो/ महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर शिवपुरी पुलिस द्वारा लगातार सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। स्कूलों की छुट्टी के समय छात्राओं के साथ छेड़छाड़ एवं परेशान करने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ के निर्देश पर जिले के प्रमुख स्कूलों के आसपास विशेष पुलिस चेकिंग स्कॉट तैनात की गई है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अक्सर देखा जाता है कि स्कूलों की छुट्टी के समय मनचले एवं असामाजिक तत्व स्कूल परिसरों के आसपास मंडराते रहते हैं और छात्राओं को परेशान करने का प्रयास करते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए कन्या विद्यालयों

एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों के बाहर प्रभावी पुलिस निगरानी सुनिश्चित की गई है, जिससे किसी भी अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके।

उप पुलिस अधीक्षक (आजाक) श्री अवनीत शर्मा के नेतृत्व में विभिन्न थाना क्षेत्रों से पुलिस अधिकारियों एवं बल को प्रतिदिन चेकिंग स्कॉट के लिए नियुक्त किया गया है। इसके अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आदर्श नगर पुरानी शिवपुरी, कन्या विद्यालय कोर्ट रोड, कन्या विद्यालय सदर बाजार, हाई स्कूल फिजीकल कॉलोनी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-01 तथा सांदीपनी विद्यालय शिवपुरी के आसपास नियमित चेकिंग एवं गश्त की जाएगी। चेकिंग स्कॉट द्वारा स्कूलों के आसपास घूम रहे संदिग्धों, मनचलों एवं असामाजिक तत्वों से पूछताछ कर उन्हें समझाइश दी जाएगी तथा आवश्यक होने पर वैधानिक कार्रवाई भी की जाएगी। पुलिस अधीक्षक श्री राठौड़ ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि स्कूल, कॉलेज, कोचिंग सेंटर, प्रमुख बाजार, धार्मिक स्थल एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर महिला एवं बालिकाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। शिवपुरी पुलिस का यह अभियान छात्राओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

खेत में पानी लगा रहे वृद्ध पर जंगली जानवर का हमला,गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

क्यूँ न लिखूँ सच / घनश्याम प्रसाद शर्मा/ अजयगढ़ के अंतर्गत आने वाली धवारी बीट में आज मंगलवार 16 दिसम्बर को एक जंगली जानवर के हमले से एक वृद्ध किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। वन विभाग की तत्परता से घायल को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल भेजा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम धवारी निवासी 60 वर्षीय किसान बद्दू लाल विश्वकर्मा पिता हल्काई दोपहर के समय अपने खेत में पानी लगा रहे थे। इसी दौरान अचानक एक जंगली जानवर ने उन पर हमला कर दिया। हमला में वृद्ध वहीं लहूलुहान होकर गिर पड़ा।

जब बद्दू लाल देर शाम तक घर नहीं लौटे,तो चिंतित परिजनों ने खेत में जाकर उनकी तलाश की। वहां किसान घायल अवस्था में बेहोशी की हालत में पड़े मिले।परिजनों ने तत्काल इस घटना की सूचना धवारी बीट गार्ड अनिल राजपूत को दी।सूचना मिलते ही बीट गार्ड अनिल राजपूत मौके पर पहुंचे और घायल किसान को अपने वाहन से अजयगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए जहांप्राथमिक उपचार के बाद घायल की नाजुक स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। अस्पताल में वाहन की तत्काल उपलब्धता न होने पर निजी वाहन की व्यवस्था कर उन्हें पन्ना भेजा गया।

वही घटना की जानकारी मिलते ही अजयगढ़ रेंजर ने संज्ञान लिया और डिप्टी रेंजर मुकेश विश्वकर्मा को घायल की सहायता और इलाज की समुचित व्यवस्था के लिए जिला अस्पताल भेजा। फिलहाल घायल किसान का इलाज जारी है। वही घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।अभी यह स्पष्ट नही हो पाया है कि किस जंगली जानवर ने हमला किया,मगर परिजनों ने भालू के द्वारा हमले करने की आशंका जताई है।

Rotis will remain soft and vegetables will remain fresh until noon. Avoid these 5 mistakes when packing your lunch box.

Proper packing is essential to keep rotis and vegetables fresh in your lunch box. Don't pack hot food, don't wrap rotis directly in foil, and use milk when kneading the dough. Pack vegetables after tempering them, and tips will ensure your lunch box will methods in detail. Avoid packing hot foil; use milk when kneading the dough. your lunch box with great care in the in the afternoon, the rotis are as hard often think that perhaps the kneading the problem lies not in the cooking but your children's lunch to stay fresh until today. Rushing to pack hot food is the packing hot rotis will keep them hot pack hot rotis or vegetables in a turns into water, moistening the rotis, like rubber or become stiff. Tip: Remove 2-3 minutes before packing. Wrapping absorbs the moisture from the rotis. become soggy from sweat. Tip: To keep cotton cloth or butter paper first. The rotis soft. Avoid using milk when for lunch, kneading the dough with evaporates, making the rotis stiff. Tip: Add a little milk or cream while kneading the dough. The fat in milk naturally keeps the rotis soft for 6-7 hours. Packing vegetables without tempering them - Often, dry vegetables (like potatoes, cauliflower, or okra) become completely dry and lifeless by midday. This happens because the oil settles down as they cool. Tip: Just before packing the vegetables, sprinkle half a teaspoon of ghee or fresh tempering on them. This coating prevents the vegetables from drying out and keeps the taste fresh. Storing the rotis separately - If you pack the rotis separately, they will dry out quickly due to exposure to air. Tip: Apply ghee liberally to the rotis and place the ghee-coated portions of the two rotis together. This locks the rotis into each other's moisture, keeping them soft all afternoon. Food isn't just about filling the stomach, it's about comfort. Just make these small changes to your packing method and see how your lunch box will smell just as good in the afternoon as it did when you took it off the griddle in the morning.

It's not right to decide to become a mother based solely on age. Learn what doctors say.

Experts say that the decision to become a mother should be made based on a woman's mental readiness, overall health, and medical care, rather than traditional age-based timelines. With changing times, women in urban emotional stability over family to become mothers based solely on Changing priorities in urban prevalent in Indian families and become more concerned about that motherhood seems to be to become a mother should be medical care, rather than lifestyles has been observed in financial independence, and mother based solely on age. pressure from relatives and social concerns rather than medical facts. age, especially after 35. However, on this biological reality alone. consultation, and regular health Silver Streak Multispecialty and fertility, it should be solely on age is neither appropriate India are prioritizing education, career, financial independence, and planning. Doctors say that it's not appropriate to pressure women age. Mental readiness, not age, is the key to deciding on motherhood. India: Age-based expectations regarding motherhood are often society. When a woman crosses the age of 30, her family and neighbors why she isn't becoming a mother than the woman herself. This means defined solely by a woman's age. But health experts say the decision made based on a woman's mental readiness, overall health, and traditional age-based timelines. With changing times, a clear shift in urban India, where women are prioritizing education, career, emotional stability over family planning. Don't decide to become a Doctors say that despite these changing realities, women face intense circles due to age-related fears, which often focus on age-related According to experts, it is true that fertility gradually declines with the decision to become a mother should not be made hastily based Instead, they emphasize the importance of informed planning, early checkups. Dr. Swapnil Agrahari, obstetrician and gynecologist at Hospital, says that while there is a clear medical link between age approached responsibly. Pressuring women to become mothers based nor in the best interest of maternal and child health. Currently, pregnancy outcomes are influenced by many factors, including lifestyle, nutrition, mental health, and timely medical care. Let go of the fear of the biological clock. Gynecologists point out that progressive improvements in reproductive medicine, prenatal diagnostics, and pregnancy care are leading to better outcomes for women conceiving even after the age of 30-35. Dr. Yashika Gudesar, gynecologist at Max Superspeciality Hospital, Dwarka, says that fear-based conversations can mask a positive and empowering life decision. Women should be encouraged to focus on their own health and preparedness, not on external deadlines. Many age-related risks can be successfully addressed with proactive care. Many women who choose later motherhood bring greater emotional stability, financial security, and stronger support systems, which contribute to a healthy family environment. Experts say that as medical science advances, families and society must also change their mindsets, respecting women's choices and recognizing that there is no single "right age" for motherhood. Therefore, motherhood must be sensitive to all aspects of the issue.

There's "another child" at home, not a husband? Read about the "mankeeping" that's eroding relationships.

"Mankeeping" is a habit that creeps into our everyday lives so quietly that women often don't notice it until they're completely broken. Let's find out what "mankeeping" is and why so many women become completely exhausted by it. Mankeeping is a serious part of relationships. Women are constantly trying to manage their partner's moods. Change begins with awareness. Have you ever heard a woman say that she feels like there's "another child" at home, not her husband? If so, she's probably talking about "mankeeping." This term may sound a little funny at first, but its truth has become a serious part of many homes and relationships today. It's so quietly ingrained in our everyday lives that one doesn't even realize it until one is completely exhausted. When you understand its true meaning, you'll understand why women are so troubled by it. No salary, no recognition - Imagine yourself performing hundreds of tasks every day, playing different roles, but receiving neither salary nor recognition. "Mankeeping" is like this in the real world. It's the constant effort women put in to manage their partner's moods and be their emotional support. You can think of it as acting as both a "therapist" and a "project manager" at home—without expecting any praise or help. Women often solve their partner's problems, calm them down, and keep the relationship on track, while also managing their own work and goals. Even after handling everything, there's still a "vacancy" - The most exhausting part is that this work doesn't have to be done occasionally, but every day. It slowly saps your energy and happiness because this effort in relationships is one-sided. When you're constantly "giving" and don't receive the support you need in return, bitterness begins to creep in. Women often feel emotionally drained. It feels as if they're handling everything, but there's nothing left for them. When one person bears this entire invisible burden, relationships become strained and falter. Are you their partner or their "caretaker"? Toxic masculinity and the shrinking friendships among men are a major cause of this problem. Many men don't have the right tools or habits to share their feelings or maintain social relationships. As a result, their partners have to fill that void. This creates a very unhealthy balance where women become the "caretakers" of their husbands or boyfriends. This erodes equality in the relationship and prevents women from finding space for themselves. How to break free from this trap? The good news is that this narrative can be changed. Change begins with awareness. Ask questions: Women are increasingly questioning old expectations and demanding relationships where their hard work is valued. Set boundaries: Instead of being emotionally available to your partner at all times, it's important to set your own boundaries. Communicate openly: Open communication is crucial to transforming one-sided care into mutual care. If you find yourself constantly trying to improve someone's mood and manage their social life, know that regaining your peace of mind is not only possible but also essential. Recognize that you are not just a caretaker, but a human being with your own needs. Have honest conversations with your partner and prioritize your mental health.

Who is Dhurandhar's Bade Saheb? This actor will compete with Ranveer Singh in Part 2

The film Dhurandhar is currently in the news. Meanwhile, the character of Bade Saheb in the film is garnering a lot of attention, and the question is who is Dhurandhar's Bade Saheb. The actor playing Dhurandhar's Bade Saheb will play a key role in Dhurandhar 2 - this renowned underworld figure is Bade Saheb. Characters like Rehman Dacoit, Hamla Ali, and Zameer Jamali in Dhurandhar are currently being talked about a lot. However, the film also features a character named Bade Saheb, who is mentioned several times by Major Iqbal (Arjun Rampal). Consequently, the question on everyone's mind is who will be the actor playing Bade Saheb in Dhurandhar? Bade Saheb plays a crucial role in the story of be inspired by? Who is Bade Saheb responsible for carrying out the Indian Parliament and 26/11 terrorist attacks. Bade Saheb's Dhurandhar. He is responsible for said to be crucial, and this character will be revealed in Part 2. In fact, role in the Ranveer Singh-starrer is Dhurandhar is portrayed by Dawood Ibrahim, a highly recognizable figure Bade Saheb's character in post-credits scene of the film Dhurandhar is rapidly going viral on social in the underworld. A screenshot of the Ibrahim. This role will be played by renowned Bollywood actor Danish media, showing a mention of Dawood Dhurandhar will feature a close contest between Bade Saheb Iqbal. This means that Part 2 of confirmation from the makers is still pending. This has and Hamza Ali. However, official audiences for Dhurandhar 2. After the role of generated considerable excitement among control of Pakistan in Dhurandhar 2. Rehman Dacoit, Bade Saheb will now be seen taking confrontation with Major Iqbal. The sequel will also feature Hamza Ali's everyone is eagerly awaiting After the massive success of Dhurandhar 2, many twists and turns, which Dhurandhar 2. The film's story still has Dhurandhar 2, it will be will be revealed in the sequel. As for the release date of 2026. released in theaters worldwide on March1 9 ,

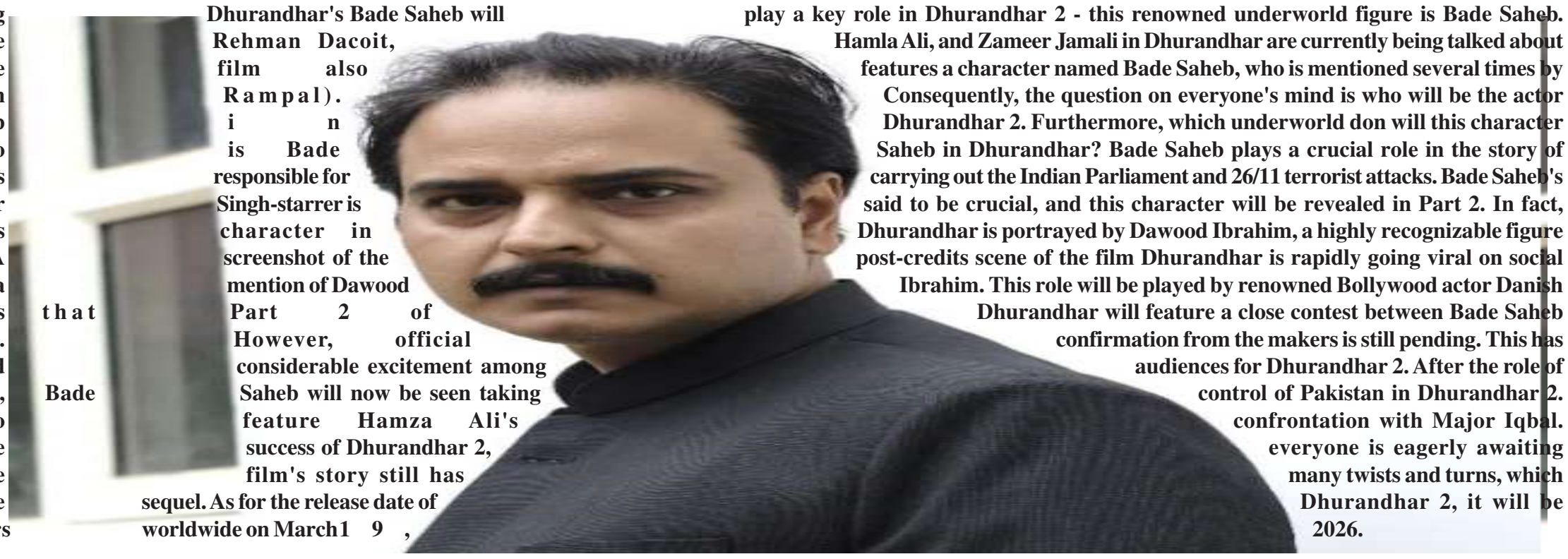

"Dhurandhar" creates history on its 10th day with skyrocketing earnings, bringing in a torrent of notes.

The Ranveer Singh-starrer "Dhurandhar" is performing exceptionally well at the box office. While film collections typically decline in the second week, "Dhurandhar" achieved record-breaking earnings on its second Sunday (the 10th day). Find out the 10th-day collection. Have you ever heard of a film achieving its highest box office collection on its second Sunday (nine days after release)? Probably not. Most films have a strong opening, then after a week, their collections gradually decline. However, something different has happened with Aditya Dhar's latest spy action film, "Dhurandhar." If this happens today, the film will create history. Ranveer Singh plays the lead role in the film, which opened with a collection of ?28 crore. Akshaye Khanna, R. Madhavan, and Sanjay Dutt also star in the film. The film has continued its impressive performance since the beginning of its second week. Dhurandhar opened with ?28 crore at the box office. What was the 10th day collection? - On its second Friday, which was its eighth day of release in theaters, the film earned ?32.5 crore. This was an increase of over 20 percent compared to the seventh day's figures. The weekend earnings saw a significant jump. On Saturday, the film recorded a growth of over 60 percent, earning ?53 crore. The 10th day also saw surprising figures. According to a report by SacNilk, Dhurandhar has collected ?42.59 crore so far on the 10th day. This figure is expected to increase further. This brings the film's total collection to ?335.34 crore. Left behind these films - Dhurandhar has achieved another milestone. The film has entered the ?300 crore club in just 9 days. Two other similarly released hits, Chawa, reached this mark on Day 10 and Saiyara on Day 17. Dhurandhar released in theaters on December 5th.

Who became the box office king this weekend? 'Akhanda 2' is giving Dhurandhar a tough competition.

The box office is currently in a frenzy, as Kapil Sharma's Kis Kisko Pyaar Karoon and Nandamuri Balakrishna's Akhanda 2 were released after Dhurandhar. Let's find out which film dominated the box office this weekend. Who became the box office king this weekend? Akhanda 2 earned this much on the third day - Weekend collection of Kis Kisko Pyaar Karoon 2. The last month of the year, December, is also special for the entertainment industry, as three major films are currently battling it out at the box office. Dhurandhar is already making waves, but Akhanda 2, which released shortly after, is also making a killing. Let's find out who dominated the box office this weekend and who was left behind. Box Office Collection - All three theatrically released films have different genres. Kapil Sharma's romantic comedy "Kis Kisko Pyaar Karoon 2" is a sequel to the first film of the same name, which was released in 2015 and was a huge hit. While the second part's earnings have been significantly lower than the first, weekend collections show that the film earned ?2.85 crore on Sunday, bringing its total to ?7.20 crore. Akhanda 2, on the other hand, is making waves at the box office. Although the film had a slow start with ?8 crore, it began making a strong haul from the second day. The film also saw impressive collections on its third day, Sunday, earning ?15 crore, bringing its three-day total to ?61 crore. Ranveer Singh's multi-starrer has been a box office sensation since its opening day. Dhurandhar, which opened with ?28 crore, is now raking in double-digit revenues daily, and on Sunday, it collected ?59 crore. With this, the film's domestic earnings have surpassed ?351 crore. Clearly, Dhurandhar is the king of the box office, though it faces stiff competition from Akhanda 2, a South Indian film that's also earning double-digits at the box office. It will be interesting to see how long these three films will reign supreme at the box office. Dhurandhar released in theaters on December 5th, starring Ranveer Singh, Akshaye Khanna, Arjun Rampal, Sanjay Dutt, R. Madhavan, and Sara Ali Khan. Akhanda 2 and Kis Kisko Pyaar Karoon hit theaters on December 12th.